@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 4 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 295 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पूरे उर भारत में तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर

दिल्ली में यमुना का पानी घरों में घुसा

एजेंसी
नई दिल्ली। ल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत पूरे उत्तर भारत में बुधवार को तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर है। बाढ़ के कारण यहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों के कई हिस्सों में अगले 24 घंटे में तेज बारिश होने की आशंका है। दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में सुबह की बारिश के बाद पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 207 मीटर तक पहुंच गया। यमुना खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। अब तक का हाईएस्ट वाटर लेवल 208.66 मीटर था। यमुना बाजार, ओल्ड उस्मानपुर, ओल्ड गढ़ी मेंडू, तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट समेत निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। बुधवार को सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। अब तक 12 हजार लोग घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जा चुके हैं। यूपी के गाजियाबाद में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। कारें आधी डूब गईं। 7 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कई जगह एक मंजिल तक घर डूब गए हैं। नोएडा में बुधवार दोपहर अंधेरा छा गया। यहां दोपहर को दो घंटे तेज बारिश हुई।

बरेली में 6 मकान ढहे, स्कूल बंद

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग इलाकों में 6 मकान ढह गए। आंवला तहसील के गांवों में 120 मकानों में दरारें पड़ गईं।

पंजाब में 23 जिलों में बाढ़, 30 लोगों की मौत

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब में बुधवार को भी तेज बारिश जारी है। 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 1200 से ज्यादा गांवों में पानी भरा है। अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। सभी स्कूल-कॉलेजों को 7 सितंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है। 3.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बारिश के कारण बांधों के जलाशय पूरी तरह भरे हैं और नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। रेड अलर्ट जारी है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री का दौरा

- बाढ़ संकट के बीच राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अलग-अलग प्रभावित इलाकों का दौरा किया है।
- मान नाव से फिरोजपुर पहुंचे, जबकि कटारिया ने फिरोजपुर और तरनतारन का दौरा किया। मान ने मामूली मुआवजे पर चिंता जताई और केंद्र के राहत मानदंडों में वृद्धि की मांग की।

माता वैष्णो देवी यात्रा नौवें दिन भी स्थगित

● कटरा में 24 घंटों के दौरान 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज

एजेंसी
जम्मू। त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा बुधवार को नौवें दिन भी स्थगित रही, क्योंकि आधार शिविर कटरा में पिछले 24 घंटों के दौरान 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जो जम्मू क्षेत्र में सबसे अधिक है। दरअसल, 26 अगस्त को अर्धकुंवारी के पास बारिश के कारण हुए एक बड़े भूस्खलन ने 34 तीर्थयात्रियों की जान ले ली थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। इसी के बाद माता वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित कर दी गई थी, तभी से तीर्थयात्रा स्थगित है, लेकिन मंदिर खुला है और इसके पुजारी दैनिक प्रार्थना और अनुष्ठान कर रहे हैं। यात्रा रद्द होने के कारण कटरा पहुंच चुके कुछ तीर्थयात्री दर्शनी ड्योढ़ी (मंदिर के रास्ते का मुख्य प्रवेश द्वार) पर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। दर्शनी

ड्योढ़ी मंदिर के पहले दर्शन का प्रतिनिधित्व करती है।

लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों और नालों, खासकर शहर से होकर गुजरने वाली बाणगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। अधिकारियों ने कहा कि हालात सुधरने के बाद यात्रा को फिर से शुरू करने का फैसला लिया जाएगा और पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाला 12 किलोमीटर का दोहरा रास्ता साफ़ होने के बाद ही श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दी जाएगी।

बहादुरगढ़ की तरफ टूटी मुंगेशपुर ड्रेन, हालात जल्द होंगे सामान्य: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 03 सितंबर। हरियाणा के बहादुरगढ़ (झज्जर) इलाके में कल मुंगेशपुर ड्रेन का एक हिस्सा टूट गया। इस घटना के कारण दिल्ली बॉर्डर पर सटे गांव व कच्ची कॉलोनियों में पानी भरना शुरू हो गया। मामला गंभीर था। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को मिली। उन्होंने आधी रात को ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से फोन पर मंत्रणा की, जिसके बाद ड्रेन जोड़ने का काम शुरू हो गया। वहां सबसे पहले दिल्ली और उसके बाद हरियाणा का अमला पहुंचा। एनडीआरएफ की टीम ने भी घटनास्थल पर मोर्चा संभाल लिया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली के जनप्रतिनिधि भी वहां लगातार दौरा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह ड्रेन कल दोपहर बाद नजफगढ़-बहादुरगढ़ बॉर्डर के पास टूट गई। इसे मुंगेशपुर ड्रेन कहा जाता है। इसके टूटते ही दिल्ली की तरफ के गांव झड़ौदा व आसपास की कच्ची कॉलोनियों में ड्रेन का पानी भरने लगा। मामले की गंभीरता का देखते हुए दक्षिण-पश्चिम जिले के डीएम श्री एम चैतन्य प्रसाद मौके पर पहुंचे और उन्होंने रात से सुबह साढ़े चार बजे तक ड्रेन जोड़ने के कार्य की निगरानी की। मौके पर ही एनडीआरएफ की

टीमें भी पहुंचाई गई। मामले की सूचना मुख्य सचिव तक भी पहुंचाई गई। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने ड्रेन टूटने की सूचना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी। मुख्यमंत्री ने आधी रात को ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से टेलीफोन पर बात की। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने डिविजनल कमिश्नर श्री नीरज सेमवाल को आवश्यक निर्देश जारी किए, जिसके बाद उन्होंने रात को ही प्रभावित क्षेत्रों से करीब 2 हजार लोगों को निकालकर उन्हें डीटीसी बस से बाबा हरिदास मंदिर व झड़ौदा स्थित एमसीडी स्कूल के अस्थायी शैल्टर होम में पहुंचाया और उनके खानपान की भी व्यवथा की। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सांसद कमलजीत सहरावत, विधायक नीलम पहलवान आदि ने अधिकारियों से बात की और समस्या का जल्द निवारण करने को कहा। देर तक यह एक्शन चला और रात-भर पानी को थामने की कोशिशें चलती रहीं। दिल्ली के अधिकारी ड्रेन को जोड़ने की मदद कर रहे हैं। इस काम में हरियाणा के संबंधित विभाग के अधिकारी भी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि घटनास्थल पर युद्धस्तर का काम चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द हालात सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जलभराव से प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की मदद की जरूरत होगो, सरकार तुरंत मदद मुहैया कराएगी।

डॉ. मित्तल संयुक्त अरब अमीरात में भारत के नये राजदूत नियुक्त

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि डा.मित्तल विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। वह कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। डॉ. मित्तल श्री संजय सुधीर की जगह लेंगे जो अब तक संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत थे। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद उन्होंने भारत और तालिबान शासन के बीच औपचारिक संपर्क शुरू कराने में अहम भूमिका निभायी थी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच पिछले छह-सात वर्षों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं।

मणिपुर में हथियार-गोला बारूद के बाद करोड़ों रुपए की ड्रग्स बरामद

● सीमापार से हो रहा है ऑपरेट

एजेंसी
नई दिल्ली । सैन्य बलों ने मणिपुर में संचालित होने वाले एक बड़े ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह ड्रग्स सिंडिकेट सीमापार से ऑपरेट करता है और मणिपुर में जमीन के नीचे खतरनाक ड्रग्स छुपाकर इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहा था। सैन्य बलों ने ड्रग्स सिंडिकेट के इरादे नाकाम करते हुए मणिपुर में करीब 7 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। असम राइफल्स के मुताबिक यह कार्रवाई भारत-म्यांमार सीमा के निकट की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले हाल ही में खुफिया सूत्रों व सूचनाओं के आधार पर सेना मणिपुर में अवैध हथियारों की बड़ी खेप बरामद कर चुकी है। असम राइफल्स के मुताबिक, उन्होंने यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के दौरान की। इस संयुक्त कार्रवाई के अंतर्गत मणिपुर के चंदेल जिले में सुरक्षा बल पहुंचे। यहां चंदेल जिले के साजिक ताम्पाक क्षेत्र में दबिश दी गई। असम राइफल्स के मुताबिक यह क्षेत्र भारत-म्यांमार सीमा के निकट स्थित है। यहां से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का जखीरा पकड़ा। सुरक्षाबलों ने कुल 138.5 किलोग्राम अफीम बरामद की। बरामद की गई अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 6.9 करोड़ रुपए आंकी गई है।

झारखंड हाईकोर्ट से जमानत के बाद भारत से फरार हुआ नाइजीरिया का साइबर क्रिमिनल

● सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

रांची/नई दिल्ली । झारखंड में साइबर फ्रॉड की बड़ी वारदात का आरोपी एक नाइजीरियाई नागरिक हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद भारत छोड़कर भाग गया। सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़े मामले में झारखंड सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए इस बात पर गंभीर चिंता जताई है कि भारत में आपराधिक वारदात अंजाम देने वाले विदेशी नागरिक अक्सर अदालत से बेल मिलने के बाद देश छोड़कर भाग जाते हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने झारखंड सरकार की याचिका पर नाइजीरियाई नागरिक की जमानत रद्द कर दी। हालांकि नाइजीरिया के साथ प्रत्यर्पण संधि न होने की वजह से भारत सरकार ने उसे फिलहाल वापस लाने में असमर्थता जताई है। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निष्पादित करते हुए केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि वह ऐसे कदम उठाए कि भारत में अपराध के आरोपी विदेशी नागरिक बेल मिलने के बाद भागकर मुकदमे से बच न सकें। न्यायालय ने कहा कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की अखंडता बनाए रखने के लिए जरूरी है। नाइजीरियाई नागरिक को झारखंड पुलिस ने 2019 में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 419, 420, 467, 468, 471, 120बी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत गिरफ्तार किया था।

राज्यपाल का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

● बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सुप्रीम कोर्ट में दलील

राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़ा मामला

एजेंसी
नर्द दिल्ली। विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों

की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन बुधवार को सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया। राज्यों ने कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है। वे केवल औपचारिक प्रमुख होते हैं। वहीं, कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

● पश्चिम बंगाल: जनता की इच्छा को रोका नहीं जा सकता

पश्चिम बंगाल के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, 'अगर विधानसभा से पास बिल गवर्नर को भेजा जाता है, तो उन्हें उस पर हस्ताक्षर करना ही होगा। सिब्बल ने तर्क दिया कि संविधान की धारा-200 में गवर्नर के लिए संतोष (सैटिस्फैक्शन) जैसी कोई शर्त नहीं है।' उन्होंने कहा, 'या तो वे बिल पर हस्ताक्षर करें, या उसे राष्ट्रपति को भेज दें। लगातार रोके रखना संविधान की भावना के खिलाफ है। अगर गवर्नर मनमर्जी से बिल अटका दें तो यह लोकतंत्र को असंभव बना देगा।'

● हिमाचल प्रदेश: गवर्नरों का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

हिमाचल सरकार के वकील आनंद शर्मा ने कहा, 'संघीय ढांचा (फेडरलिज्म) भारत की ताकत है और यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। अगर गवर्नर बिल रोकेंगे तो इससे केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बढ़ेगा और यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा। गवर्नर का ऑफिस जनता की इच्छा को नकारने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'

● कर्नाटक- राज्य में 'डायार्की' नही हो सकती

कर्नाटक सरकार के वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य में दोहरी सरकार (डायार्की) की व्यवस्था नहीं हो सकती। गवर्नर को हमेशा मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही काम करना होगा।उन्होंने कहा कि संविधान गवर्नर को सिर्फ दो स्थितियों में ही विवेकाधिकार देता है। पहली, जब गवर्नर अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजते हैं और दूसरी, जब कोई बिल हाईकोर्ट की शक्तियों को प्रभावित करता है (अनुच्छेद 200 की दूसरी शर्त)। इन दो स्थितियों को छोड़कर गवर्नर के पास कोई स्वतंत्र शक्ति नहीं है।

मराठा समुदाय को मिली जीत, सभी को मिलेगा आरक्षण - मनोज जरांगे पाटिल

छत्रपति संभाजीनगर। मराठा आरक्षण के मुद्दे पर मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन कालीन अनशन पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने अपना अनशन तोड़ दिया। इस वक्त वे छत्रपति संभाजीनगर के एक अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मराठा समाज को जीत मिल गई। मनोज जरांगे पाटिल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कई सालों से मराठा आरक्षण की लड़ाई चल रही थी, लेकिन अब मराठा समुदाय ने जीत हासिल कर ली है। सरकार की ओर से जो निर्णय लिए गए हैं, उसके पीछे पूरे मराठा समाज का संघर्ष है। मैं सिर्फ नाम के लिए खड़ा था, लेकिन यह जीत पूरे समाज की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के सभी मराठाओं को आरक्षण मिलेगा, इसमें कोई शक नहीं है। जिनका नाम गैजेट में दर्ज नहीं है, उन्हें आरक्षण से वंचित नहीं किया जाएगा। उनके लिए भी सरकार से प्रयास किए जाएंगे।

● 'देश को आजादी मिले 75 साल हो चुके हैं, मराठाओं को न्याय नहीं मिला था। हैदराबाद गैजेट में साफ लिखा है कि कुणबी यानी मराठा ही है।'

भूटान के जे खेंपो और प्रधानमंत्री तोबगे राजगीर में शाही मंदिर समारोह के लिए भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। भूटान के जे खेंपो, मुख्य मठाधीश ट्रुलकु जिग्मे चोएद्रा और भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे बुधवार को चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं जहां वे गुरुवार को बिहार के राजगीर में शाही भूटान मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी ओम ताशी डोमा भी आ रही हैं। ये सभी आज सीधे बिहार के गयाजी पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर भी जाएँगे। राजगीर स्थित शाही भूटान मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा भारत और भूटान के बीच बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस मंदिर के लिए भूमि बिहार सरकार द्वारा प्रदान की गई है। परम पावन जे खेंपो और भूटान के प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के अनुरूप है।

दिल्ली सचिवालय में श्रम मंत्री मिश्रा की अध्यक्षता में श्रम विभाग की महत्वपूर्ण बैठक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली; 03 सितम्बर। दिल्ली सचिवालय में श्रम मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में श्रम विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें आगामी 'विश्वकर्मा दिवस' (17 सितम्बर) की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भी प ?ता है जो सदैव श्रमिकों के कल्याण के लिए समर्पित रहते हैं। बैठक के दौरान मंत्री ने श्रम विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विभाग में लंबित सभी रिक्तियों को शीघ्र भरा जाए और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सख्ती और संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों और आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति अब बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से दर्ज की जाए

और अधिकारियों और कर्मचारियों के समय पर उपस्थिति ना होने पर उन्होंने दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश भी माननीय मंत्री ने निर्देश दिए। मंत्री कपिल मिश्रा ने निर्देश देते हुए कहा कि विभिन्न जिला न्यायालयों में श्रम मामलों की लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रमिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति और उनके अधिकारों की रक्षा श्रम विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मीटिंग के दौरान मिश्रा ने कहा कि श्रमिक हमारे समाज और राष्ट्र की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से ही देश का विकास संभव है। दिल्ली सरकार हर हाल में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी और उन्हें उनका हक दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

केंद्र सरकार राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करें, राहत एवं बचाव कार्यों में आए तेजी

– राहुल गांधी ने पीएम मोदी से किया बारिश व बाढ़ पीड़ितों की मदद का आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी से लगातार बारिश से विनाशकारी तबाही झेल रहे राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद बेहद ज़रूरी है। हजारों परिवार अपने घरों, जान और प्रियजनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। इस बीच, कई भारतीय राज्यों में भारी बारिश के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम यूपी, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में रेड अलर्ट वाले जिलों में पुंछ, मीरपुर, राजौरी, रियासी, जम्मू, रामबन, उधमपुर, सांबा, कठुआ, डोडा और किश्तवाड़ शामिल हैं। पंजाब में, कपूरथला, जालंधर, नवाशहर, रूपनगर, मोगा, लुधियाना, बरनाला और संगरूर रेड अलर्ट पर हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में, मंडी, ऊना, बिलासपुर, सिरमौर और सोलन इसी तरह की चेतावनी के तहत हैं। हरियाणा के यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और एसएएस नगर के लिए भी चेतावनी जारी की है।बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू और कश्मीर के कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। सबसे ज्यादा 203 मिमी बारिश रियासी में दर्ज की गई जम्मू शहर में 81 मिमी बारिश हुई, जबकि बनिहाल 95, रामबन 82, कोकरनाग 68.2 और पहलगाम 55 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा इसी अवधि में श्रीनगर 32 मिमी, सांबा 48, किश्तवाड़ 50, राजौरी 57.4, और काजीगुंड 68 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन बन रहा मुंबई में, ट्रेन पकड़ने के लिए उतरना पड़ेगा जमीन से 100 फीट नीचे

मुंबई (एजेंसी)। दिन-प्रतिदिन भारतीय रेलवे नया इतिहास रच रही है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। अब जल्द ही बुलेट ट्रेन भी दौड़ेगी। जी हाँ, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन का काम भी तेज गति से चल रहा है। भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन भी जल्द ही बनेगा। यह रेलवे स्टेशन बीकेसी में 100 फीट की गहराई पर बनाया जाएगा। बुलेट ट्रेन के बीकेसी में इस स्टेशन का काम तेज गति से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर यह एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है। जो जमीन से 100 फीट यानी 32 मीटर की गहराई पर बनाया जा रहा है। यह स्टेशन जमीन से इतनी गहराई पर है कि इसमें 10 मंजिला इमारत बन सकती है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक वीडियो शेयर किया था। बताया गया है कि बुलेट ट्रेन की तीन मंजिला इमारत होगी और इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर होगा। स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म होंगे। इन प्लेटफार्म की लंबाई 415 मीटर होगी। यह बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। वर्तमान में 8 घंटे का यह सफर बुलेट ट्रेन से मात्र 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। इस बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। बुलेट ट्रेन का परिचालन शुरू होने में अभी तीन साल और लगने की संभावना है। मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुलेट ट्रेन 2028 तक यात्रियों के लिए सेवा में आ जाएगी।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना एक माह का वेतन देंगे रालोद के सांसद-विधायक

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी (रालोद) के विधायक व सांसद अपना एक माह का वेतन बाढ़ राहत कोष में देंगे। जिससे बाढ़ प्रभावित जनमानस की मदद की जा सके। यह निर्देश पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दिया है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि देश के कई राज्य बाढ़ से लगातार प्रभावित हो रहे हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। कई-कई दिन से परिवार के परिवार बाढ़ की चपेट में आए हुए हैं। उनको राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार की टीम लगातार सुरक्षित जगह पर पहुंचने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरा देश बाढ़ पीड़ितों के लिए जुट रहा है और उनके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि मंगलवार को उत्तर प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित जिलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई। जबकि अब तक प्रदेश के 607 गांवों के 1,41,169 लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में जारी बारिश के कारण नदियों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

पंजाब व जम्मू-कश्मीर को हरियाणा सरकार की ओर से 5-5 करोड़ रूपये की सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पाँच-पाँच करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की है । इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य और मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक शीघ्र और पर्याप्त सहायता पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की आवश्यकता हो तो नि:संकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे।

चेन्नई एयरपोर्ट पर 60 करोड़ की कोकीन जब्त, तीन गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 5.618 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 60 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बड़ी सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' अभियान और केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशों के तहत हासिल हुई है। 1 सितंबर, 2025 को एनसीबी चेन्नई और एयर इंटेलिजेंस यूनिट, चेन्नई कस्टम्स ने मिलकर इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान से अदीस अबाबा से चेन्नई आए दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक उत्तराखंड के बागेश्वर का 25 वर्षीय बीए स्नातक और दूसरा हिमाचल प्रदेश के चंबा का 26 वर्षीय आईटीआई पास है। जांच में पता चला कि ये दोनों व्यक्ति पिछले कुछ वर्षों से कोकीन तस्करी में शामिल थे और यह कार्य एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है। इस सिंडिकेट का संचालन दिल्ली से एक नाइजीरियाई नागरिक कर रहा था, जिसे एनसीबी ने दिल्ली से हिरासत में लिया है। वह 2023 से मेडिकल वीजा पर भारत में था, लेकिन 2024 में वीजा समाप्त होने के बाद भी रह रहा था। एनसीबी अब ड्रग तस्करी के अन्य सदस्यों, वित्तीय लेन-देन और तस्करी के रास्तों की जांच कर रही है। साथ ही विदेशी नागरिकों, विशेषकर अफ्रीकी मूल के लोगों की संलिप्तता को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई है। एनसीबी ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1933 जारी किया है और सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन दिया है।

टीएमसी विधायक के काफिले से टकराई बाइक, घायल युवक की मौत

-पायलट कार का चालक भी हुआ घायल

कोलकाता (एजेंसी)। राजधानी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। यह घटना तब हुई जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक शौकत मोल्ला के काफिले की पायलट कार और एक मोटरसाइकिल में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बसंती हाईवे पर साइंस सिटी के पास हुआ था। कन्निंग पूर्व विधानसभा सीट से विधायक शौकत मोल्ला का काफिला जिबनतला से कोलकाता की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक पायलट कार से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पायलट कार का अगला हिस्सा भी दब गया। बाइक सवार की पहचान करया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद ताजुद्दीन के रूप में हुई। उसे गंभीर हालत में एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में पायलट कार का ड्राइवर भी घायल हुआ है, जिसे भांगड़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर के बाद विधायक की कार भी अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकरा गई। घटना पर दुख जताते हुए विधायक शौकत मोल्ला ने कहा कि हादसा वाहन के ब्रेक फेल होने की वजह से हुआ। फिलहाल कोलकाता ट्रैफिक पुलिस की फैटल स्क्वाड और लेदर कॉम्प्लेक्स थाना की टीम जांच में जुटी है।

फ्लाइट में यात्री ने लगाए धार्मिक नारे, पी शराब, क्रू मेंबर्स से किया विवाद

-कोलकाता पहुंचते ही यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले किया, पुलिस कर रही जांच

कोलकाता (एजेंसी)। दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री और क्रू मेंबर्स के बीच विवाद हो गया। क्रू मेंबर ने यात्री द्वारा धार्मिक नारे लगाए, शराब पीने और यात्रियों को नारे लगाने के लिए भड़काने जैसे आरोपों के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना तब हुई जब उड़ान को परिचालन कारणों से दिल्ली में पार्किंग वे पर तीन घंटे तक रोका गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है क्रू मेंबर्स ने एक यात्री पर फ्लाइट में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। यात्री पेशे से वकील है। उसने भी क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं न देने का आरोप लगाया। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच कर रही है। एयर होस्टेस की शिकायत के मुताबिक सीट नंबर 31डी पर बैठा यात्री नशे की हालत में विमान में सवार हुआ और उसने सह-यात्रियों को हर हर महादेव का नारा लगाने के लिए उकसाया। शिकायत में कहा गया कि उड़ान शुरू होने के बाद यात्री ने एक सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल छिपाने की कोशिश की, जिससे शराब की गंध आ रही थी। जब क्रू ने उससे पूछताछ की, तो उसने जल्दी से बोतल मुंह में लगा ली और पी ली। कोलकाता पहुंचने पर क्रू ने यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया। यात्री ने क्रू के आरोपों का खंडन करते हुए एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। यात्री ने कहा कि उसने क्रू को हर हर महादेव के साथ अभिवादन किया था, बिना उनकी धार्मिक पहचान जाने। उसने कहा कि उड़ान के दौरान उसने शराब नहीं पी, बल्कि बोर्डिंग से पहले इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बीयर खरीदी थी, जिसका उनके पास खरीद का इनवॉइस भी है। उन्होंने क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं, जैसे पानी और भोजन, न देने का आरोप लगाया। इंडिगो के अधिकारी ने बताया कि केबिन क्रू ने सूचित किया था कि यात्री उपद्रवी और नशे में था। यात्री की शिकायत के जवाब में अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे दोनों पक्षों के दावों की गहन जांच कर रही है।

पार्टी से निलंबन के बाद छलका कविता का दर्द बोलीं- भाई ने साथ नहीं दिया

–कुछ लोग निजी और राजनीतिक कारणों से हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के कविता ने अपने परिवार और पार्टी के अंदर चल रही कथित साजिशों को लेकर मीडिया में बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कविता ने न केवल अपने भाई के टी रामाराव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें। कविता ने कहा कि उनकी निलंबन की साजिश पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश का हिस्सा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कविता ने कहा कि केसीआर गारू मेरा परिवार हैं। हमारे बीच खून का रिश्ता है। पार्टी से निलंबन या पद छिनने जैसे कारणों से यह रिश्ता नहीं टूटना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक विकास के लिए हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं। कविता ने कहा कि उनकी रिहाई के बाद से वह लगातार जनता के मुद्दों के लिए लड़ रही हैं, लेकिन इस दौरान उनके भाई रामाराव ने उनका साथ नहीं दिया, जब उनके खिलाफ बदनाम करने वाली मुहिम चलाई गई।

कविता ने कहा कि मैं भाई केटीआर से मिली। मैंने उन्हें मेरे खिलाफ चल रही साजिशों और झूठे अभियान के बारे में बताया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि न केवल एक बहन के रूप में बल्कि पार्टी विधायक के रूप में भी, लेकिन उन्होंने जरा भी परवाह नहीं की। उन्होंने मुझे फोन तक नहीं किया।

कविता ने अपने बयान में साफ कहा कि कुछ लोग उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिता केसीआर से गुजारिश की कि वह इस सियासी खेल को समझें और पार्टी के अंदर चल रही साजिशों पर ध्यान दें। कविता का मानना है कि उनकी निलंबन की वजह सिर्फ व्यक्तिगत हमले नहीं, बल्कि बीआरएस पर पूरी तरह कब्जा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता और पार्टी प्रमुख केसीआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं चाहती हैं।

कविता ने अपने चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच की वजह उनके चचेरे भाइयों की भ्रष्ट गतिविधियां हैं। कविता ने भाई रामाराव को नसीहत दी कि वह हरीश और संतोष पर भरोसा न करें, क्योंकि ये लोग पार्टी और परिवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं।

सीएम योगी के फैसले से गदगद हुई बहन मायावती बोलीं- धन्यवाद

कानपुर (एजेंसी) बसपा सुप्रीमो मायावती ने कानपुर के प्रसिद्ध बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के विवादित प्रस्ताव को रद्द करने की खबर का स्वागत किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में सरकार इस तरह के विवादास्पद कदमों को रोकने के लिए सख्ती बरतेगी। मायावती ने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम सामाजिक शांति, भाईचारा और सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मायावती ने अपने बयान में कहा, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग अपने-अपने पूजा स्थलों के साथ सह-अस्तित्व में रहते हैं। बुद्धा पार्क बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए महत्वपूर्ण है। इस पवित्र स्थल पर किसी अन्य धर्म के पूजा स्थल का निर्माण प्रस्तावित करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह सामाजिक अशांति और घृणा को बढ़ावा दे सकता है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि यूपी सरकार ने बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया है, जिसका वह स्वागत करती हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि भविष्य में इस तरह के षड्यंत्रों को गंभीरता से लिया जाए और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। मायावती ने कहा, ÷मैं उम्मीद करती हूं कि सरकार आगे भी इस तरह के विवादों को रोकने के लिए तत्पर रहेगी ताकि समाज में शांति, व्यवस्था और भाईचारा कायम रहे। मायावती ने अपने बयान में भारत के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि देश की धर्मनिरपेक्षता विभिन्न धर्मों और जातियों के सह-अस्तित्व पर आधारित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुद्धा पार्क जैसे स्थल बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए पवित्र हैं, और इनका सम्मान करना हर सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने सरकार से तत्काल इस तरह के प्रस्तावों को रोकने की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया।

दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांकें

–लालू की बेटी रोहिणी ने पीएम की मां को गाली देने की निंदाकर दी प्रतिक्रिया

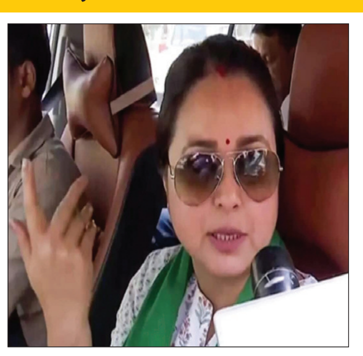

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस के मंच से दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के लिए अपशब्द कहे जाने के मामले को लेकर प्रदेश में बवाल मचा है। बीजेपी ने इस मामले को लेकर 4 सितंबर को प्रदेश में बंद का एलान किया है। वहीं, दूसरी ओर इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें बीते रोज पीएम मोदी ने बिहार राज्य जीविका निधि से जुड़े एक कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया था। इसमें उन्होंने स्वयं और उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपशब्दों को लेकर भावुक करने वाली कही थी। पीएम मोदी ने पहली बार इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि ''मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है? उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?

पीएम मोदी के इस बयान के बाद बिहार में सियासी गरमा गई। एनडीए ने जहां इस मुद्दे पर गुरुवार को बिहार बंद का ऐलान किया है। वहीं, विपक्ष ने भी पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बाद रोहिणी आचार्या ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ठीक कह रहे हैं प्रधानमंत्री जी...लेकिन दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने तो विपक्ष के लोगों के लिए दर्जनों बार अमर्यादित-घटिया भाषा का इस्तेमाल किया कई बार भाषाई मर्यादाएं लांघीं हैं...हां ये बात सही है की किसी की मां को गाली नहीं देनी चाहिए, इस बात का मैं भी खडंन करती हूं पर प्रधानमंत्री खुद भी कई बार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं। रोहिणी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी और एनडीए के नेताओं, यहां तक कि सीएम नीतीश कुमार का नाम भी लिया।

उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा चुनाव में मेरे खिलाफ क्या कुछ नहीं बोला गया। बिहार की बेटी के खिलाफ अपशब्द कहे जाने पर बीजेपी या प्रधानमंत्री जी ने क्यों कुछ नहीं कहा? रोहिणी ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ भी कई बार अपशब्द इस्तेमाल किए हैं। ऐसे कई मामले हैं। उन मामलों में क्या हुआ? बता दें मंगलवार को पीएम मोदी ने बिहार के लोगों से अपील की थी कि वे राजद-कांग्रेस के मंच से उनकी मां के लिए अपशब्द कहे जाने को लेकर जवाबदेही तय करें। राजद-कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, हर मां-बहन को मैदान में उतरकर उनसे जवाब मांगना चाहिए।

बाढ़ व फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने आज केंद्रीय कृषि मंत्री जाएंगे पंजाब

–शिवराज ने कहा– केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत और पुनर्वास का करेंगी काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पंजाब में लगातार हो रही अतिवृष्टि ने हालात को गंभीर बना दिया है। कई जिलों में नदियां उफान पर हैं और खेत पानी में डूब गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित किसान हुए हैं, जिनकी धान, मक्का और गन्ने की फसलें बर्बाद हो गई हैं। गांवों में घरों और पशुधन को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इसको लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से बातचीत कर बाढ़ की स्थिति और किसानों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाब के के साथ मजबूती से खड़ी है। चौहान ने कहा कि वे गुरुवार सुबह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे और किसानों व स्थानीय लोगों से मिलकर समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पंजाब को हरसंभव मदद देगी, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत दी जा सके और किसानों के नुकसान की भरपाई हो सके।

बता दें बाढ़ से पंजाब के कई जिलों में धान की तैयार फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। पशुपालन पर भी असर पड़ा है, कई जगह चारे की कमी हो गई है। ग्रामीण इलाकों में घरों को नुकसान पहुंचा है और हजारों लोग सुरक्षित ठिकानों पर जाने को मजबूर हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी। प्रभावित किसानों को मुआवजा और पुनर्वास पैकेज दिया जाएगा। किसानों के ऋण पुनर्गठन और बीमा दावों की प्रक्रिया तेज करने पर भी विचार किया जा रहा है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए विशेष पैकेज तैयार किया जाएगा।

रामलला के कल दर्शन करेगें भूटान के प्रधानमंत्री, विशेष विमान से अयोध्या पहुंचेंगे दाशो शेरिंग

अयोध्या (एजेंसी)। पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग पांच सितंबर को अपनी धर्मपत्नी ताशी डोमा और कुछ अन्य अफसरों के साथ अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। शेरिंग शुक्रवार सुबह विशेष विमान से अयोध्या महर्षि बाल्मिकी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचेंगे जहां उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा।

एयरपोर्ट से उनका काफिला विशेष सुरक्षा घेरे में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचेगा, जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी उनका सम्मान करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी के साथ उनके साथ पधारे भूटान के वित्त सचिव दाशो लेकी वांगमो, कैबिनेट मामलों और रणनीतिक समन्वय कार्यालय के निदेशक चेन्चो, और लेफ्टिनेंट कर्नल शेरिंग नामगे रामलला का दर्शन पूजन अर्चन करेंगे।

विशिष्ट अतिथि रामदरबार के साथ साथ परिसर में मौजूद अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे। राममंदिर परिसर में स्थित कुबेर टीला पर जाकर कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक भी करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के कारण राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक चौबंद किया जाएगा। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के ठीक पहले राममंदिर सुरक्षा समिति की मंदिर परिसर में बैठक भी बुलाई गई है।

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने आज एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के साथ भूटान के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। भूटान के प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहे इसका निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक बलरामाचारी दुबे ने राममंदिर में तैनात सुरक्षा अधिकारियों एवं सुरक्षा बल के जवानों के साथ विदेशी मेहमान के प्रोटोकाल के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने की योजना को अंतिम रूप दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पांच सितंबर को सुबह 9:30 बजे भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या पहुंचेंगे, और दो घंटे तक राम मंदिर परिसर में रहेंगे। डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री के दर्शन और भ्रमण का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। निखिल टी फुंडे और एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि राममंदिर में श्रद्धालु दर्शन करते रहेंगे। राममंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन और आवागमन में कोई परेशानी न हो इसकी भी व्यवस्था कर दी गई है। भूटान के प्रधानमंत्री दाशों शेरिंग तोबगे दोपहर बाद विशेष विमान से स्वदेश लौट जायेगे।

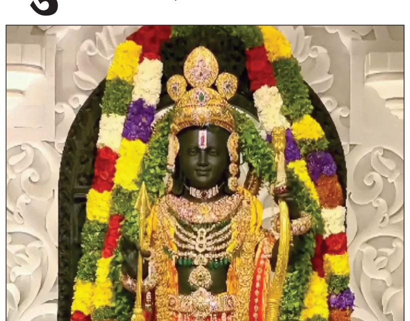

शाहदरा में महिला का फोन छीनने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में महिला का मोबाइल फोन छीनने और भागते समय मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में दो आरोपियों मोहम्मद राशिद उर्फ साहिल और फैसल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वारदात के समय वे नशे की हालत में थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और भागने में सफल हो गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच में स्कूटी का नंबर सीलमपुर निवासी मोहम्मद नदीम अहमद के नाम पर पंजीकृत पाया गया। पूछताछ के दौरान नदीम ने बताया कि उसने स्कूटी अपने परिचित मोहम्मद राशिद को दी थी। इसके आधार पर न्यू सीलमपुर में छापा मारकर दोनों को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गई।

साइकिल पर प्रचार कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में महज 17 दिन का समय शेष है। ऐसे में संभावित प्रत्याशी प्रचार के अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। प्रशासन की सख्ती और डूसू चुनाव को स्वच्छ व हरित बनाने में प्रत्याशी लगे हैं। इसी कड़ी में एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने सोमवार को प्रचार करने के लिए साइकिल का सहारा लिया। कैंपस को स्वच्छ व हरित बनाने के लिए एबीवीपी संभावित प्रत्याशियों ने कैंपस में साइकिल रैली निकाल कर प्रचार किया। यह रैली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से शुरू हुई और रामजस कॉलेज, हिन्दू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज व दौलत राम कॉलेज से होते हुए कला संकाय पर जाकर संपन्न हुई। एबीवीपी ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और पर्यावरण अनुकूल ही संपन्न होने चाहिए।

फरीदाबाद में बाढ़ का खतरा, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम

कौमी पत्रिका

फरीदाबाद/गुरुग्राम । दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को हुई बारिश और यमुना में बढ़ते जलस्तर से बने बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। फरीदाबाद में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं, मंगलवार से गुरुग्राम में वर्क फॉर होम दिया गया है। मौसम विभाग यानी आईएमडी ने मंगलवार को भारी बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि पूर्वानुमान के मद्देनजर, जिले के सभी कॉर्पोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए निर्देशित करें। वहीं जिले के सभी स्कूलों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन कक्षाएं लें। फरीदाबाद के गांव किड़ावली में यमुना किनारे अपना जन्मदिन मनाने आया युवक आयुष व उसका दोस्त धर्मेंद्र डूब गए। दोनों अपने छह अन्य दोस्तों के साथ दिल्ली के मीठापुर से आए थे। हरियाणा से निकल यमुना अब दिल्ली में भी हालात बिगाड़ सकती है। करीब 3 लाख 21 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से दिल्ली में भी यमुना खतरे के निशान को पार कर सकती है। यह तीन लाख 21 हजार क्यूसेक पानी दिल्ली पहुंचने में 72 घंटे का समय लगेगा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, धौज क्षेत्र में सबसे अधिक 60 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि गोछी में 27 मिमी, बल्लभगढ़ में 25 मिमी, फरीदाबाद शहर में 19 मिमी, दयालपुर में 14 मिमी, मोहना में 12 मिमी और तिगांव में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, गुरुग्राम में सोमवार दोपहर बाद दो घंटे तक तेज बारिश हुई। ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। इससे देर शाम तक प्रमुख मार्गों पर जाम लग गया। गुरुग्राम में 85 मिमी कादीपुर में 94 मिमी, हरसरु में 94 मिमी, वजीराबाद में 116 मिमी बादशाहपुर में 56 मिमी, सोहना में 33 मिमी, मानेसर में 24 मिमी और पटौदी में 13 मिमी बारिश हुई। वहीं, दिल्ली में सोमवार को दिल्ली में 18.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। नजफगढ़ में शाम 5:30 बजे तक 49.5 एमएम बारिश हुई। इसकी वजह से गई जगह जलभराव हो गया। नोएडा में भी सितंबर की शुरुआत बारिश से हुई। सोमवार को 2 बजे के बाद तेज बादल घिर आए और फिर तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार एक घंटे तक हुई तेज बारिश ने शहर में जलभराव हुआ और जाम की स्थिति बन गई। शाम के समय लोग जाम की वजह से बारिश में भीगते रहे। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 18 एमएम बारिश हुई। वहीं, जिले का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही आद्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से आज बारिश का नो वॉर्निंग जोन है लेकिन बूंदाबांदी होगी और अगले तीन-चार दिन तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही तापमान में भी कमी दर्ज की जा सकती है। वहीं, सोमवार को नोएडा का एक्यूआई 58 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 54 दर्ज किया गया। प्रशासन ने हरियाणा में यमुना नदी किनारे बसे गांवों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है। कुरुक्षेत्र में मारकंडा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अंबाला में टांगरी व कैथल में घग्गर नदी का जलस्तर स्थिर चल रहा है। यमुना के पानी पर आधारित नैनावाली, भूड़कलां, बेगमपुर, ताजेवाल पनबिजली योजनाओं में उत्पादन ठप हो गया है। यहां प्रतिदिन 10 से 12 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता था। वहीं, सिरसा में ओटू हेड पर जलस्तर 17580 क्यूसेक रहा। दोनों जिलों में 22000 क्यूसेक जलस्तर की क्षमता है। हिसार जिले में सोमवार को चार गांवों में पांच स्थानों पर ड्रेन टूट गई।

ईसीए कोटा में दाखिले के लिए सावधानी बरतें डीयू के कॉलेज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे खेल और अतिरिक्त गतिविधि (ईसीए) कोटा के तहत छात्रों के दाखिले में सावधानी बरतें और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। यह निर्देश 25 अगस्त को न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने टेनिस खिलाड़ी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका अदिति रावत नाम की एक छात्रा ने दायर की थी, जिन्होंने डीयू के हिंदू कॉलेज में खेल कोटा के तहत दाखिला मांगा था। सीबीएसई नेशनल्स में स्वर्ण पदक विजेता आदिति ने अपनी याचिका में हिंदू कॉलेज प्रशासन से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए खेल कोटा के तहत एक सीट आरक्षित करने की मांग की थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि उनको डीयू के लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वीमेन में दाखिला मिल चुका है। उनके वकील जीतेंद्र गुप्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया कि भविष्य में डीयू से संबद्ध कॉलेजों को विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन में दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए एक टिप्पणी आदेश में शामिल की जाए। बुलेटिन में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ईसीए और खेल कोटा के तहत 5 प्रतिशत सीटों को अनिवार्य रूप से आरक्षित करने का प्रावधान है। न्यायमूर्ति महाजन ने अपने आदेश में कहा, उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए, यह अपेक्षा की जाती है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज भविष्य में ईसीए और खेल कोटा के तहत सीटों के संबंध में विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करेंगे, जो शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सूचना बुलेटिन के अनुसार अनिवार्य है।

सुपरटेक का दावा, 15 हजार खरीदार अब भी कर रहे घर का इंतजार

नई दिल्ली। दिवालियापन प्रक्रिया का सामना कर रही संकटग्रस्त रियल्टी फर्म सुपरटेक लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में 6,121 फ्लैट अपने ग्राहकों को सौंपे हैं। कंपनी के पूर्व निदेशक आरके अरोड़ा ने बताया कि ये इकाइयां 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में सौंपी गई हैं। हालांकि, अभी भी 15,000 फ्लैट सौंपे जाने बाकी हैं। 25 मार्च 2022 को एनसीएलटी ने सुपरटेक लि. को कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में भेजा था। इसके खिलाफ प्रमोटर ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की। जून 2022 में एनसीएलएटी ने केवल परियोजना के लिए लेनदारों की समिति (सीओसी) गठित करने का निर्देश दिया, जबकि अन्य परियोजनाओं को पूर्व प्रबंधन द्वारा अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) की देखरेख में पूरा करने का आदेश दिया गया। सोमवार को एक बयान में, सुपरटेक लि. के निलंबित बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आरके अरोड़ा ने कहा कि कंपनी ने 10 जून, 2022 से रिवर्स दिवालियापन के दौरान 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में 6,121 फ्लैट सौंपे हैं। ये परियोजनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में हैं। यह उपलब्धि कंपनी के पूर्व प्रबंधन ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की निगरानी में हासिल की है। अरोड़ा ने बताया कि कंपनी अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने की योजना बना रही है। अरोड़ा ने बताया कि सुपरटेक और एपेक्स हाइट्स प्रा. लि. ने संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं को सह-डेवलपर के रूप में पूरा करने के लिए एक समाधान योजना पेश की है। इस योजना के तहत, एपेक्स हाइट्स 12 महीनों में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश निर्माण कार्य पूरा करने, इकाइयां आवंटियों को सौंपने, और ऋणदाताओं व भूमि प्राधिकरणों को भुगतान करने के लिए होगा। दो वर्ष में परियोजनाएं पूरी करने का लक्ष्य : अरोड़ा ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट इस संयुक्त समाधान योजना को मंजूरी देता है, तो सभी 16 परियोजनाएं दो वर्षों में पूरी हो सकती हैं। यह खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो लंबे समय से अपनी इकाइयों का इंतजार कर रहे हैं। इस योजना से कंपनी की वित्तीय स्थिति को भी स्थिर करने में मदद मिल सकती है। पिछले महीने, एनसीएलएटी ने सुपरटेक ग्रुप की कंपनी, सुपरटेक रियल्टर्स के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही का रास्ता साफ किया। यह कंपनी नोएडा में सुपरनोवा परियोजना विकसित कर रही है, जिसमें आवासीय फ्लैट, कार्यालय, रिटेल स्थान और एक लक्जरी होटल शामिल हैं। भविष्य पर और स्पष्टता की उम्मीद है। सुपरटेक की यह प्रगति उन खरीदारों के लिए उम्मीद की किरण है

दिहाड़ी पर नाबालिग से नशीले पदार्थ की तस्करी कराने पर दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली। पांच सौ रुपये देकर एक नाबालिग से नशीले पदार्थ की तस्करी करवाने वाले दंपती को रणहौला थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को भी पकड़ लिया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 1084 ग्राम गांजा और 781 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है। पुलिस दंपती से पूछताछ कर धंधे में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान करने और उनकी धर पकड़ करने में जुटी है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 29 अगस्त की रात रणहौला थाना पुलिस बापरोला इलाके में गश्त कर रही थी। पुलिस ने बैरागी रोड सत्यम विहार फेज-2 के पास एक पुरुष और एक महिला को हाथों में पॉलीथीन बैग लेकर जाते देखा। पुलिस टीम को देखते ही दोनों तेजी से एक घर में घुस गए। सूचना पर थाने से अतिरिक्त पुलिस कर्मी महिला सदस्यों के साथ वहां पहुंची। पुलिस टीम ने घर खुलवाया। पुलिस ने सिद्धांत और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पॉलीथिन की तलाशी ली। साथ ही घर में मौजूद नाबालिग से पूछताछ की। पॉलीथिन की तलाशी में 1084 ग्राम गांजा मिला। घर से पुलिस को 781 अवैध शराब की

NAME CHANGE
I hitherto known as Puran Kaur W/O Himmat Singh,R/O House No. B-1/197, Block-B, Shiv Ram Park, Nangloi, West Delhi, Delhi 110041,have changed my name and shall hereafter be known as POOR KAUR.

NAME CHANGE
I, RAHUL GOEL S/o RADHEY SHYAM GOEL, R/o RZ-127, T-Extension, Vishwas Park, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, have changed the name of my minor son AARAV GOEL aged 12 years and he shall be hereafter known as NIRAV GOEL.

NAME CHANGE
I hitherto known as BHIM SEN ALIAS JOGINDRA URF BHEEMSEN son of RAM BHAJAN residing at 214, Kori Mohalla, Cantt. Bareilly, Bareilly, Uttar Praadesh-243001, have changed my name and shall hereafter be known as JOGINDRA BHEEMSEN.

NAME CHANGE
I, PRAMOD KUMAR DWIVEDI, S/o Shiv Narayan Dwivedi, R/o C-12/A-33, Mudra Vihar, Sector-23, Noida, District Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of my wife has been wrongly written as PRAMILA in my minor son PRATYAKSH DWIVEDI aged 13 years in his school record the actual name of my wife is PRAMILA DWIVEDI. which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अभिषेक कसाना और श्री मयंक कसाना, शॉप नं. 2 के स्वामी हैं, जो प्लॉट नं. A-1 पर निर्मित है, जिसका क्षेत्रफल 101.90 वर्ग गज है, जो कि खसरा नं. 790/1 मिन से संबंधित है, स्थित डिफेंस कॉलोनी, ग्राम भरमपुर उर्फ भोपुरा, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में है। इस संपत्ति की मूल स्वामिनी, राजस्व अभिलेखों के अनुसार, श्रीमती शीला देवी थीं, जिन्होंने संपूर्ण संपत्ति को दिनांक 14.10.1989 की बिक्री विलेख के माध्यम से श्रीमती हरचंदी को बेचा। तत्पश्चात, श्रीमती हरचंदी ने उक्त शॉप नं. 2 को दिनांक 16.12.2022 की उपहार विलेख द्वारा श्री अभिषेक कसाना और श्री मयंक कसाना को उपहारस्वरूप प्रदान किया। चूँकि उपहार विलेख दिनांक 16.12.2022 में खसरा नंबर का उल्लेख नहीं था, अतः इसका परिशिष्ट विलेख दिनांक 14.08.2025 को निष्पादित किया गया। तदनुसार, श्री अभिषेक कसाना और श्री मयंक कसाना अब उक्त शॉप के पूर्ण स्वामी हैं, जो किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, देयता या दावा से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि मूल श्रृंखला दस्तावेजों में से एक गुम हो गया है — विशेष रूप से, बिक्री विलेख, दस्तावेज संख्या 5028, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 2517, पृष्ठ संख्या 143से146, दिनांक 15.04.1980, पंजीकृत उप-पंजीयक, गाजियाबाद में। उक्त दस्तावेज के गुम होने संबंधी ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या LA No. 3148083/2025) दिनांक 26.08.2025 को पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज कराई गई है। वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक, ओखला शाखा, नई दिल्ली से वित्तपोषित की जा रही है।यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, NO-15416791M, Rank-HAV, Name-DILIP KUMAR SINGH residing at VILL-BEDUPAR, PO-TURKDIHA, TEHSIL-HATA, DIST-KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH-274149, have changed my father's name from SURYANARAIN SINGH to SURYA NARAYAN SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that, I RAVI NAGAR S/O SHRI MUNSHI RAM R/O F-499 Dakshin Puri, Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi-110062 declare that name of mine has been wrongly written as RAVI in my minor daughter namely GRACY aged 16 years in her school records. The actual name of mine is RAVI NAGAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-15415607K Rank-HAV Name-JITENDRA SAHNI residing at VILL-DAKSHINI DHAMOUN, PO-PATORI, DIST-SAMASTIPUR, BIHAR-848504, have changed my mother's name from MEENA DEVI to MONA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, ANIL KUMAR S/o DANI RAM R/o Near Pole No. 109, Kangan Heri, South West Delhi, Delhi - 110071 have changed the name of my minor Son YAJAS aged 15 years and he shall hereafter be known as YAJAS YASHASVI.

NAME CHANGE
I, SWATI KANWAR wife of No.-6947327L, Rank-HAV, Name-GAJRAJ SINGH RATHORE residing at HULDHANI, PO-BHADAWA, DIST-NAGUAR, RAJASTHAN-341501, have changed my name from SWATI KANWAR to SWATI KANWAR RATHORE for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15454071P Rank-SEP Name-JAY LAKHAN YADAV Presently residing at VILL-SAMARADAH, PO-HARADIYA, TEH-JAGDISHPUR, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802152, have changed my mother's name from USHA DEVI to MANGARI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I RAHUL S/O RAM CHANDRA MISHRA R/O House No-7, Gali No-3, Near Shiv Mandir, Sector-65, Noida, PO: Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed the name of minor daughter ISU aged 11 years and she shall hereafter be known as SMRITI MISHRA.

NAME CHANGE
I, Sandeep Kasana S/O Preetam Singh R/O Badalpur , Kachheda Warsabad, Gautam Buddha Nagar, Kachera Versabad Uttar Pradesh - 2023207, have changed my name and shall hereafter be known as Sandeep Kumar

NAME CHANGE
Mohd Ali alias Alikhan S/O Momin R/O H. No. 49,Gali No -15, Kanchan Park , Loni Dehat Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Alikhan

PUBLIC NOTICE
I, ARUN CHAUHAN S/o ASHOK KUMAR R/o Flat No-3172, Tower-I, 7th Avenue, Behind Gaur City Mall, Gaur City-1, Greater Noida west, Sector-1,Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318, have changed the name of my minor son ARUDHRA CHAUHAN aged 07 years and he shall hereafter be known as ARJUN CHAUHAN.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mrs. Sonam** W/o. Mr. Yogender Kumar who has approached **Aadhar Housing Finance Limited** to borrow home loan in respect of RZ-2070, First Floor, Front Side, Unit No. F-2, without roof rights, Flat Area 50 Sq. Yds., Ashish Apartment, Gali No. 26, Khasra No. 430, Tughlakabad Extn., New Delhi-110019. At Present this property is in the name of **Mrs. Deepa Devi** W/o. Mr. Shankar Dutt Suteri.
It is to mention that in the Original Sale Deed Dated 06.02.2012 executed by **Mohd. Ishahak** S/o. Mr. Babu Khan in favour of **Mrs. Deepa Devi** W/o. Mr. Shankar Dutt Suteri in respect of Built up First Floor, Unit No. F-2, without roof rights, Area Measuring 50 Sq. Yds., Property Bearing No. RZ-2070, Gali No. 26, Comprised in Khasra No. 430, Situated at Tughlakabad Extn., New Delhi-110019 which is duly Regd. as Doc No. 1259, Vol No. 11922, Book No. 1, Pages 189-198 and SR- V. **There are 3 pages missing that are page No. 9 and 2 pages of Form A**
And the said property is going to be mortgaged in **Aadhar Housing Finance Limited, Office at Pushp Vihar, New Delhi.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled..
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I Rajender Gupta S/O Jagdish Prashad Gupta R/O, D-523, Budh Nagar, J.J. Colony Inder Puri Delhi -1100012 Have changed my to Rajinder Kumar Gupta.

NAME CHANGE
I, Jatin Bairva S/o Kailash Kumar R/o P-32, T-Huts, J J Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, West Delhi-110027 have changed my name to Jatin Bairwa.

NAME CHANGE
I, Kailash Bairva S/o Kanhiya Lal R/o P-32, T-Huts, J J Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, West Delhi-110027 have changed my name to Kailash Kumar.

NAME CHANGE
I PARVEEN BHATI S/O SHISH PAL SINGH R/O DB-189 A/2, THAKURWARA OLD, FARIDABAD-121002 HAVE CHANGE MY NAME TO PARVEEN KUMAR FOR ALL PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Umed Singh S/O Govind Singh, R/O Kh No 50/25, Ground Floor, Virendra Nagar, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my wife has been wrongly written as Vimala Devi Rajput in my minor daughter namely Karishma aged 14 years in her school records .The actual name of my wife is VIMLA DEVI,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Devendra S/O: Seesh Pal,R/O Buttna, Barodah, Bulandshahr Uttar Pradesh-203202,have changed my name and shall hereafter be known as Devi Charan.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Umed Singh S/O Govind Singh, R/O Kh No 50/25, Ground Floor, Virendra Nagar, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my wife has been wrongly written as vimala Devi Rajput in my minor daughter namely Karishma aged 14 years in her school records .The actual name of my wife is BIMLA DEVI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ASHISH TANWER S/O SURENDRA TANWER R/O 55, MANAV SEWA SAMITI, TAHIRPUR, NEW SEEMAPURI, EAST DELHI, JHILMIL, DELHI-110095 declare that name of mine, my minor daughter and my wife have been wrongly written as ASHISH, ANJLINA and NISHA in my minor daughter namely ANJLINA TANWER aged 14 years in her school record. The actual name of mine, my minor daughter and my wife are ASHISH TANWER, ANJLINA TANWER and NISHA TANWER respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I , Dr. Ghulam Hussain Jafri S/o Badrul Hasan Jafri R/o 4X/ 104, AWHO Society, Gurjinder Vihar, Greater Noida, Kasana, PO: Kasana, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201310, have changed the name of my minor Son Azeem Hussain aged 13 years and he shall hereafter be known as MOHD. AABIR HUSSAIN

NAME CHANGE
I Deepak Sharma S/o Bal Kishan Sharma R/o Villa-19 Kingson Green Villa, Green Residency, Chipyana Buzurg, PO: Chhipyana, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201009 have changed the name of my minor Son Shlok aged 14 years and he shall hereafter be known as SHLOK SHARMA.

NAME CHANGE
I,AJAY KUMAR YADAV S/O ARJUN SINGH H/o 656 JAWAHAR COLONY FARIDABAD SECTOR 22 HARYANA 121005 ,I have changed my name to Ajay yadav permanently

NAME CHANGE
I, Ram Jano w/o Mohd Yaseen R/o 430, Akhare Wali Gali, Kabir Basti, Old Subzi Mandi, Malka Ganj, Delhi-110007 have changed my name to Ramzano Begum for all future purposes

NAME CHANGE
I, Megha w/o Sagar R/o 176-B/2, Prajapat Nagar, Gautam Nagar, Delhi-110049 have changed my name to Megha Kumari for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as SAHIL S/o BASANT LAL R/o B-1328, Gaur Green Avenue, Abhay Khand-2, Indirapuram, Ghaziabad(UP)-201010, have changed my name and shall hereafter be known as SAHIL LAL.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANOJ SHAKYA S/o RAGHUVAR DAYAL, R/o H NO-27/94-B, JAWALA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032, declare that name of mine, my wife have been wrongly written as MANOJ KUMAR and DEEPMALA in my minor daughter namely SHANVI SHAKYA, aged 14 years in her school records. The actual name of mine, my wife is MANOJ SHAKYA and DEEPMALA SHAKYA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Smt. Seema** in respect to Land area measuring 50 sq. yds. out of Khasra No. 467 situated in village Ghukana Ghaziabad pargana Loni Tehsil & distt. Ghaziabad U.P. Stating that Smt. Seema has undisputed ownership in property .Now my client intends to sell the property in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I DAVESH MAHTO S/o SAKALDEEP MAHTO residing at Plot No.- 3-B , Off - 3A- 3B , Kh No.-115 , Near Dayal Market, Alipur, PO - Alipur, North West Delhi - 110036 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as DEVESH MEHTO and NITISH KUMAR in my minor son namely NITISH aged 16 years in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine and my minor son are DAVESH MAHTO and NITISH which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Anushka Kedia D/o Gopi Kedia R/o B-0503 GH-01, Sector-16B, Supertech Eco Village-2, Greater Noida west, Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine has been wrongly written as Anushka Gopi Kedia in my All Educational Documents. The actual name of mine is Anushka Kedia.

MISSING
I, Abhishek Kumar S/o Rakesh Kumar R/o H.no. 2 Humayu pur, Safdarjung Enclave, South Delhi New Delhi 110029 declare That my Father namely Rajesh Kumar is being missing since 7 years and is probably dead. That the case is pending before the Hon'ble court of Ms. Neha Priya Senior Civil Judge cum Rent Controller South District Saket Court and the NDOH is 06.09.2025

NAME CHANGE
I, SAVITRI BAI SAHU Mother of No-15230204X Rank-NK (GNR) Name-PRAMOD KUMAR SAHU residing at VILL-BANSA, PO-KAUDIYA, TEHSIL-CHANDIYA, DIST-UMARIYA, MADHYA PRADESH-484660, have changed my name from SAVITRI BAI SAHU to SAVITRI SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAGHUNANDAN PRASAD SAHU father of No-15230204X Rank- NK (GNR) Name-PRAMOD KUMAR SAHU residing at VILL-BANSA, PO-KAUDIYA, TEHSIL-CHANDIYA, DIST-UMARIYA, MADHYA PRADESH-484660, have changed my name RAGHUNANDAN PRASAD SAHU to RAGHUNANDAN SAHU for all future purposes vide Affidavit Dated 03/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NARAYAN CH MANDAL Father of No. 15704666P Rank-SIGMN Name-SOUMITRA MANDAL Presently residing at VILL-LAHAR PARA, PO-BRAMHAN PARA, TEH- KANDI, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742138, have changed my name from NARAYAN CH MANDAL to NARAYAN CHANDRA MANDAL for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1950 instead of my correct date of birth as 10/05/1955 vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SARASWATI MANDAL Mother of No. 15704666P Rank-SIGMN Name-SOUMITRA MANDAL Presently residing at VILL-LAHAR PARA, PO-BRAMHAN PARA, TEH- KANDI, DIST-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742138, have changed my name from SARASWATI MANDAL to SARASWATI MONDAL for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15737799L, Rank-SIGMN Name-SAGAR MONDAL residing at VILL-MATHURA PUR, PO-PIPUL BARIA, TEHSIL-TEHETTA, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741152, have changed my father's name from MONORANJAN MONDAL to MANORANJAN MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, INDRA VATI W/O DALCHAND R/o H NO-87, JAWAHER COLONY, MANDI PAHAR, DELHI-110074 have changed my name to INDRA WATI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SUSHAMITA SINGH wife of No.-15457682P, Rank-NK/PH, Name-VEER SINGH residing at MOHALLA-BHIMNAGAR, VPO-BHONGAON, DIST-MAINPURI, UTTAR PRADESH-205262, have changed my name from SUSHAMITA SINGH to KM SUSHAMITA for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, Jafar Iqbal S/o Md. Rafiq , R/o Kh. No-63/2, Gali No-6, Part-1, Mukand Vihar, Mukand Pur Ext., Delhi-110042, declare that name of mine has been wrongly written as Zafar Iqbal in my minor Son namely Faisal Iqbal, aged 17 years in his 10th class educational document. The actual name of mine is Jafar Iqbal respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Jyoti @ Jyoti Sateesh Rajbhar is the owner of Freehold Residential Built on Built-up First floor without roof rights area measuring 50 sq. yds., Built-up Property bearing no. D-55, (Old no. 53-B) out of Khasra no. 18/7, Situated in the area of Village Asalatpur Khadar Delhi. State Delhi colony known as Chankya Place Part-I, Block-D Uttam Nagar New Delhi. by virtue of Relinquishment Deed dated 01.09.2025 Vide Doc no. 2025/25/I/24910, Vol no. 15820 Page no. 169-180 SR-II-B-Delhi., in the Chain Document below mentioned document not available i.e. SMC of Late Smt. Subhoti died on 29.09.2022., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Sh. Anuj Sardana and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Dwarka New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित करने हेतु है कि श्रीमती आरती, पत्नी श्री कनहैया लाल, श्रीमती राधा से आवासीय मकान संख्या 02, क्षेत्रफल 64 वर्ग गज, खसरा संख्या 1360, गली संख्या 6, स्थित ग्राम छपरौला, पंचकुला कॉलोनी, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. खरीदने का इरादा रखती हैं। श्रीमती राधा ने उक्त संपत्ति को श्रीमती बबिता से दिनांक 22.09.2023 के बिक्री विलेख द्वारा खरीदा था, जो दस्तावेज संख्या 38474 के रूप में पंजीकृत है। कृपया ध्यान दें कि मूल श्रृंखला दस्तावेजों में से एक दस्तावेज गुम हो गया है — विशेष रूप से बिक्री विलेख, जो दस्तावेज संख्या 7145, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 4296, पृष्ठ 23-40, दिनांक 19.04.2012 को उप-पंजीयक, दादरी में पंजीकृत हुआ था। उक्त दस्तावेज की गुमशुदगी के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या LAR 20250000643568) दिनांक 03.09.2025 को पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज कराई गई है। साथ ही कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में कैन फिन होम्स लिमिटेड, शाखा-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली के साथ बंधक की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NOTICE OF 03rd ANNUAL GENERAL MEETING REMOTE E-VOTING INFORMATION

Notice is hereby given that:

1.The 03rd Annual General Meeting (AGM) of members of the Company will be held on Thursday, 25th Day of September, 2025 at 11:30 P.M. IST through Video Conferencing (VC) /Other Audio-Visual Means (OVAM) to transact the business as set forth in the Notice of AGM In compliance with all applicable provision of Companies Act, 2013 and the rules made there under and Securities Exchange Board of India ("SEBI") (listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 read with the General Circular issued by the Ministry of Corporate Affairs ('MCA') vide its Circular No. No. 10/2022 dated December 28, 2022, 2/2022 dated 5th May, 2022 read with Circular No. 20/2020 dated 5th May, 2020 read with Circular No. 14/2020 dated 8th April, 2020, Circular No. 17/2020 dated13th April, 2020, Circular No. 02/2021 dated 13th January, 2021,Circular No. 19/2021 dated 8th December, 2021, Circular No.02/2022 dated 05th May, 2022 and Circular No. 09/2023 dated 25th September, 2024 (hereinafter collectively referred to as "MCA Circulars") and Securities and Exchange Board of India ("SEBI") vide Circular Nos. SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/4 dated January, 05, 2023, SEBI/HO/CFD/CMD1CIR/P/2020/79 dated 12th May, 2020, SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2021/11 dated 15th January, 2021, SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2022/62 dated 13th May, 2022 and SEBI/HO/CFD/CFD-PoD-2/P/CIR/2023/167 dated 7th October, 2023 (hereinafter collectively referred to as SEBI Circulars) (collectively referred to as "SEBI Circulars") has permitted the holding of the AGM through Video Conferencing ('VC') / Other Audio Visual means ('OAVM'), without the physical presence of the members at a common venue
2.Members can attend and participate in the AGM through VC/OAVM only. The detailed procedure for participating in the Meeting through VC/OAVM as stated in Notice.
3.In terms of Section 108 of the Companies Act, 2013 ("the Act") read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 ("the Rules"), the Company is providing its members the facility to cast their vote electronically from a place other than the venue of the AGM ("remote e-voting"), provided by CDSL and the business may be transacted through such voting, on all the resolutions set forth in the Notice of AGM;
4.Electronic copies of the Notice of AGM and Annual Report for the financial year 2024-2025 have been sent to all the members whose email IDs are registered with the Company/Depository Participant(s). The same are also available on the website of the Company at www.supertechev.com and can also be accessed from the website of Stock Exchange i.e., BSE Limited at www.bseindia.com and Registrar and Transfer agent of the Company i.e., www.skylinerta.com. Members whose email ids are not registered with their Depository Participants are hereby requested to register/update the same with the Depository Participants.
5.Members holding shares either in physical form or dematerialized form, as on the cut-off date Friday, 19th September, 2025, may cast their vote electronically on the business as set forth in the Notice of the AGM through electronic voting system of Central Depository Services (India) Limited (CDSL) from a place other than venue of the AGM (remote e-voting). All the members are informed that:

I.The business as set forth in the Notice of the AGM may be transacted through voting by electronics means;
II.The remote e-voting shall commence on 22nd day of September, 2025 at 9:00 A.M. IST;
III.The remote e-voting shall end on 24th day of September, 2025 at 5.00 P.M. IST and thereafter E-Voting through shall not be allowed;
IV.The cut-off date for determining the eligibility to vote by electronic means or at the AGM is Friday, 19th September, 2025.
V.Any person, who acquires shares of the Company and become member of the Company after dispatch of the Notice of the AGM and holding shares as of the cut-off date i.e. Friday, 19th September, 2025 may obtain the Login ID and Password by sending a request at helpdesk.evoting@cdslindia.com. However, if a person is already registered with CDSL for e-voting then existing user ID and password can be used for casting vote;
VI.Members may note that:
a)the remote e-voting module shall be disabled by CDSL beyond 5.00 P.M. on 24th Day of September, 2025 and once the vote on a resolution is cast by the member, the member shall not be allowed to change it subsequently;
b)the members who have cast their vote by remote e-voting prior to the AGM may also attend the AGM but shall not be entitled to cast their votes again; and
c)a person whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date only shall be entitled to avail facility of remote e-voting as well as voting at the AGM through ballot paper.
VII.The Notice of AGM is available on the Company's website www.supertechev.com and also on the CDSL's website www.evotingindia.com

For any queries/ grievances related to e-voting shareholders may contact to: Skyline Financial Service Private Limited, D-153-A, 1st Floor, Okhla Industries Area, Phase -1, New Delhi-110020, E-mail: info@skylinerta.com .

For and on behalf of Supertech EV Limited

Yetender Sharma
Managing Director
DIN: 09702846

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAYDEV SINGH S/O UJJWAL SINGH R/o Barkot, Kuthnaur, Jamunachatti, Uttarkashi, Uttarakhand-249141 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as AYUSHI BHANDARI in my minor daughter AYUSHI aged 14 years in his School Records. The actual name of my minor daughter is AYUSHI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENT MR. CHANDRA SHEKHAR S/O LATE SH. SOHAN LAL R/O WZ-101A, BASAI DARAPUR, RAMESH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110015 HEREBY DECLARE THAT HE HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DISINHERITED HIS SON I.E. RAJESH KUMAR FROM HIS ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER / WHEREEVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. ?? HAVE ALSO RELEASED ALL HIS RELATIONS WITH HIS ABOVE MENTIONED SON FOR ALL INTENTS AND PURPOSES, AND MY CLIENT HEREBY DECLARE THAT HE SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF HIS ABOVE MENTIONED SON FROM HERETO. ANYBODY DEALING WITH HIM SHALL DO SO AT HIS/HER/THEIR OWN PERIL.
ADVOCATE GULSHAN CHANANA
Office: 11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF PLOT NO. 36-A, LAND AREA MEASURING 50 SQ.YDS. I.E. 41.80 SQ.MTRS., PART OF KHASRA NO. 488, SITUATED AT KAISM VIHAR, PHASE-2, VILLAGE ELAICHIPUR, PARGANA AND TEHSIL LONI, DISTT: GHAZIABAD, U.P. (SAID PROPERTY) I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 23.06.2008 EXECUTED BY MR. SANJAY IN FAVOUR OF MOHD. FIROZ VIDE DOC. NO. 18392, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 10829, ON PAGES NO. 345-364, ON DATED 23.06.2008 IN SRO-4-GHAZIABAD, U.P. HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. SALMAN KHAN S/O MR. FIRASAT, R/O, H. NO. 501, RAHUL ENCLAVE, ILAICHIPUR, GHAZIABAD AND SAID OWNER MR. SALMAN KHAN PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DATED 28.08.2025 EXECUTED BY MR. JAMEEL AHMED. NOW MRS. SUSHILA KASHYAP C/O MR. RAM KUMAR R/O H. NO. B-9, GROUND FLOOR, BLOCK-B, MANSAROVER GARDEN, RAMESH NAGAR, WEST DELHI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. SALMAN KHAN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH EASY HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरकारी दफ्तरों को जीरो वेस्ट आफिस बनाने के निर्देश

एजेंसी

जींद। शहर को सुंदर बनाने के लिए डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना बनाई गई। अभियान के तहत 25 नवंबर तक स्वच्छता अभियान चलेगा। डीसी ने अभियान की शुरूआत करते हुए साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों से इस सप्ताह की गई गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि सभी सरकारी दफ्तरों को जीरो वेस्ट ऑफिस बनाया जाए और उन्हें आधिकारिक रूप से घोषित किया जाए। उन्होंने ई ऑफिस प्रणाली अपनाने पर भी बल दिया ताकि कागजों का उपयोग कम हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सितंबर माह में बाजारों, खाली प्लाटों, वेंडिंग जोन, शौचालयों, आवासीय क्षेत्रों, जीवीपी, सीटीयू एवं सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट की प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित की जाए। सड़कों पर वाहनों के आवागमन में बाधा नहीं हो और इसके लिए कुछ वेंडिंग जोन बनाए जाएं। डीसी ने बैठक में शहर से अनावश्यक बैनर और पोस्टर हटाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कहा कि बेसहारा पशुओं को सड़कों से हटा कर उचित स्थानों पर भेजा जाए तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में ट्रैफिक लाइट्स लगवाई जाएं।

यमुना के बढ़ते जलस्तर पर उपायुक्त ने किया निरीक्षण, तटबंधों को मजबूत करने के दिए निर्देश

पलवल। जिला उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी के साथ लगते गांवों का अधिकारियों संग निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में यमुना का पानी गांवों में प्रवेश न करे, इसके लिए सभी जरूरी प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। उपायुक्त ने तटबंधों को मजबूत करने के निर्देश दिए और गांवों में लगातार मुनादी करवाने को कहा, ताकि ग्रामीण सतर्क रहें। उपायुक्त ने मोहना स्थित यमुना पुल सहित बागपुर, दोस्तपुर, राजूपुर खादर, थंथरी और गुरवाड़ी गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने तटबंधों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि मिट्टी डालकर इन्हें पूरी तरह से मजबूत बनाया जाए। अवैध कब्जों को तुरंत हटाने के आदेश भी दिए। उन्होंने सरपंचों और मौजिज लोगों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और कहा कि निचले स्तर पर रहने वाले परिवारों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करवाया जाए। ग्रामीणों को खाद्य सामग्री और जरूरी वस्तुएं पहले से सुरक्षित रखने के साथ ही पशुओं को यमुना किनारे न बांधने की सलाह दी। इस मौके पर बीडीपीओ नरेश कुमार, सिंचाई विभाग के एक्सईएन रोहित कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गांव चांट स्थित अलीगढ़ रोड पर चांहट चौक का दौरा किया।

हरियाणा के खेल मंत्री ने पलवल में यमुना का जलस्तर बढ़ने पर किया गांवों का दौरा

पलवल। यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने पलवल के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा करते हुए गंभीरता से निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी स्थिति में घबरायें नहीं अपितु सावधानी बरतें। सरकार लोगों के साथ खड़ी है। जिला प्रशासन की टीम को साथ लेकर खेल मंत्री गौरव गौतम ने खादर क्षेत्र के दौरे की शुरुआत बागपुर गांव से की जबकि समापन थंथरी गांव में हुआ। इस दौरान उन्होंने जलभराव वाले संभावित गांवों का दौरा करते हुए ग्रामीणों से सीधी बातचीत करते हुए स्थिति का जायजा लिया। राजूपुर-दोस्तपुर गांव में बांध की जांच करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। विभिन्न गांवों में ग्रामीणों से रू-ब-रू होते हुए उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिया कि उन्हें हर संभव मदद मुहैया करवाई जाएगी। दौरे के दौरान उन्होंने वापसी में बागपुर गांव में जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों व विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न गांवों के सरपंचों व गणमान्य लोगों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित गांवों में बिजली-पानी की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए सिंचाई विभाग पहले ही प्रबंध रखें।

निगमायुक्त ने जलभराव क्षेत्रों व डिस्पोजल का किया निरीक्षण

हिसार। लगातार हो रही बरसात से उत्पन्न जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए निगमायुक्त नीरज ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी साथ रहे। निरीक्षण की शुरुआत फव्वारा चौक और आईजी चौक से हुई, जहां निगमायुक्त ने अधिकारियों को बरसाती पानी की त्वरित निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद वह जिंदल चौक पहुंचे और वहां जलभराव की स्थिति देखकर अधिकारियों को तुरंत समाधान के आदेश दिए। निगमायुक्त ने आगे सेक्टर 9-11 मोड़ (दिल्ली रोड और तोशाम रोड पुलिस नाके के पास) पर जलभराव का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने तोशाम रोड साउथ बाईपास स्थित डिस्पोजल और गांव डाबड़ा के पास बने डिस्पोजल का भी जायजा लिया। निगमायुक्त नीरज ने बताया कि नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार जल निकासी के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को अतिरिक्त प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

हरियाणा में सिंचाई व्यवस्था होगी सुदृढ़, 315 करोड़ रुपये से होगा माइनरों का कायाकल्प : सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं कारगर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की एक अहम बैठक में राज्य में माइनर्स के व्यापक रीमॉडलिंग (पुनर्निर्माण एवं सुधार) कार्य योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके तहत लगभग 54 अलग - अलग परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा और इस पूरी परियोजना पर लगभग 315 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत नहरों की गहराई, चौड़ाई एवं ढांचे को आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि सिंचाई जल की आपूर्ति समय पर और पर्याप्त रूप से किसानों तक पहुँच सके। इस पूरी

परियोजना के तहत विभिन्न नहरी सर्कलों के तहत 30 कैनाल का पुनर्वास तथा 24 कैनाल की रिमॉडलिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की फसलों को पर्याप्त सिंचाई जल मिलेगा, भूमिगत जल स्तर पर दबाव कम होगा और प्रदेश में कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर भी काबू पाया जा सकेगा।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और माइनरों के लेवल में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। यमुना वाटर सर्विस, लोहारू वाटर सर्विस और जवाहर लाल नेहरू सर्कल के तहत लगभग 54 परियोजनाओं को किया जाएगा क्रियान्वित बैठक में जानकारी दी गई कि यमुना वाटर सर्विस सर्कल, भिवानी के तहत 41 परियोजनाओं, यमुना वाटर सर्विस सर्कल, करनाल के तहत 1 तथा यमुना वाटर सर्विस सर्कल, रोहतक के तहत 2 परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार लोहारू वाटर सर्विस सर्कल भिवानी के अंर्तगत 7 परियोजनाओं और जवाहर लाल नेहरू सर्कल रेवाड़ी के तहत 3 परियोजनाओं को शामिल किया गया है।

यमुना में बढ़ा जलस्तर, दो हजार एकड़ फसल पानी की चपेट में

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले के यमुना किनारे बसे गांवों में नदी का जलस्तर बढ़ने से खेती की भूमि कटाव का शिकार होने लगी है। गन्नौर से दिल्ली बॉर्डर तक लगभग दो हजार एकड़ भूमि की फसल में पानी भरा है। करीब 30 गांव नदी के किनारे स्थित हैं। इन गांवों में सोमवार शाम तक कई जगह कटाव शुरू हो गया और फसलों में पानी भर गया। गन्नौर और राई क्षेत्र के 6-7 गांवों के खेतों तक पानी पहुंच चुका है। गन्नौर के बेगा, चंदौली, पबनेरा, ग्यासपुर तथा राई के भैंरा, दहिसरा और मुरथल क्षेत्र के बख्तावरपुर, गढ़ी, मेहंदीपुर, जैनपुर व टकौला गांव बाढ़ के खतरे की चपेट में हैं। बरसात के मौसम में हथनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार को दोपहर तक नदी में डिस्चार्ज की स्थिति इस प्रकार रही सुबह 9 बजे 3,29,313 क्यूसेक, 10 बजे 3,21,653 क्यूसेक, 11 बजे 3,19,363 क्यूसेक, 12 बजे 3,23,180 क्यूसेक, 1 बजे 3,22,416 क्यूसेक और 2 बजे 3,03,519 क्यूसेक। इस बढ़ते प्रवाह से यमुना क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति बनने की आशंका बढ़ गई है। यह पानी अभीतक पहुंचा नहीं है जब पानी आएगा तो प्रभाव दिखएगा। संभावित खतरे को देखते हुए अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीनने आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि यमुना किनारे नालों, पुलों और रिंगबंधों कीसुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाने जरूरी हैं। इसके तहत प्रभावित गांवों में तुरन्त प्रभाव से ठीकरी पहरे और गश्त ड्यूटी अनिवार्य की गई है।

सफाई और स्वच्छता पर ध्यान दें, हमें सारा देश स्वच्छ बनाना है : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पाँच-पाँच करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की है। इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य और मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक शीघ्र और पर्याप्त सहायता

पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की आवश्यकता हो तो निःसंकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे।

एसडीएम ने दिए बरसाती पानी निकासी के प्रबंध बढ़ाने के निर्देश

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बरसाती पानी की निकासी को लेकर शहरी क्षेत्र का दौरा किया।

उन्होंने सिरसा शहर के सुरखाब चौक, कंगनपुर रोड, गोल डिग्गी का दौरा कर नगर परिषद व जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को बरसाती मौसम में जल भराव रोकने को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात होने के बाद जितनी जल्दी हो सके, उतनी देर में पानी निकासी की व्यवस्था सही होनी चाहिए, अधिकारी यह भी जांच लें कि कोई भी पंप सैट या मोटर खराब न हो। प्रत्येक पंप सैट को बरसात होते ही चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी निकासी प्राथमिकता के साथ करें और कहीं पर कोई रुकावट आती है तो उसे तत्काल दूर करें।

उन्होंने कहा कि समय पूर्व किए गए पुख्ता प्रबंध से ही पानी निकासी जल्द हो सकती है। दोनों विभागों के अधिकारियों को तालमेल के साथ काम करने और हर रोज फील्ड में

पहुंच कर पानी निकासी संबंधी अपडेट देने के निर्देश दिए। एसडीएम ने इससे पहले सोमवार सायं जनता भवन रोड, केंद्रीय विद्यालय कंगनपुर रोड क्षेत्र, सूरतगढ़िया चौक, सुरखाब चौक व सदर बाजार का दौरा किया था।उल्लेखनीय है कि शहर के निचले इलाकों में बरसाती पानी भरा हुआ है और लोगों को भारी परेशानी हो रही है। कई घरों में पानी भी घुस गया है। सीवरेज ओवरफ्लो हो गए हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। बरसात के कारण सड़कों की हालत भी जर्जर हो गई है। वाहन चालकों को काफी दिक्कतें आ रही है।

लिंगानुपात सुधार के लिए अब आयुष डॉक्टर भी करेंगे मदद- सुधीर राजपाल

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा में घटते लिंगानुपात को सुधारने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने आयुष विभाग के डॉक्टरों को भी अवैध एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी) किट की बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश 'स्टेट टास्क-फोर्स' की साप्ताहिक बैठक में दिए गए, जिसकी अध्यक्षता राजपाल कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि पिछले साल 31 अगस्त को लिंगानुपात 901 था, जो इस साल बढ़कर 907 हो गया है। राजपाल ने आयुष डॉक्टरों से कहा है कि वे अपने आसपास के चार-चार गांवों में यह सुनिश्चित करें कि 12 सप्ताह से अधिक के गर्भ वाली कोई भी महिला अवैध रूप से गर्भपात न करवाए। उन्होंने अधिकारियों को

एमटीपी किट बेचने वाले थोक विक्रेताओं और सेंटरों की मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया। अगर किसी गर्भपात में भ्रूण लड़की का पाया जाता है, तो अल्ट्रासाउंड की जांच की जाएगी और किसी भी गड़बड़ी पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि लापरवाही बरतने के आरोप में दो आशा वर्कर्स को नौकरी से हटा दिया गया है। इनमें से एक सोनीपत की आशा वर्कर का पति दिल्ली से अवैध एमटीपी किट लाकर बेचता था, जिसके बाद दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पंचकूला में भी एक गर्भवती महिला की मौत के बाद, उसकी सही से निगरानी न करने के कारण एक आशा वर्कर को नौकरी से हटा दिया गया है। बैठक में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जिसमें जींद की एक गर्भवती महिला ने डॉक्टर की सलाह के बिना एमटीपी किट खा ली, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसकी बच्चेदानी निकालनी पड़ी। अब वह महिला कभी मां नहीं बन पाएगी। राजपाल ने लोगों से कहा है कि सिर्फ लड़का पैदा करने की चाह में डॉक्टर की सलाह के बिना एमटीपी किट खाना जान के लिए भी जोखिम भरा है।

पानीपत में यमुना नदी से सटे गांवों में प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी

पानीपत। पहाड़ी क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण निचले स्थानों पर यमुना का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। वहीं हथिनी कुंड बैराज से तीन लाख 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के कारण पानीपत में यमुना नदी से सटते क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है । पानीपत प्रशासन ने पूरी तरह से अलर्ट जारी कर दिया है। पानीपत में यमुना नदी से लगते गांव में अब बाढ़ का खतरा ग्रामीणों को सताने लगा है। यमुना नदी से सटे तमाशा बाद, पत्थर गढ़, नवादा, मिर्जापुर, राणा माजरा सहित आठ गांवों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। वहीं समालखा क्षेत्र में हथवाला, बिलासपुर और राकसहेड़ा गांवों में स्थिति चिंताजनक हो गई है। पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण नदी का पानी किनारों से बाहर आ गया है। तीन गांव में अलग-अलग जगह पर तटबंध भी टूट गए थे, लेकिन प्रशासन की मुस्तैदी से तटबंधों की मरम्मत करा दी गई है। ओर अन्य स्थानों पर भी दिन-रात लगातार प्रशासन व्यवस्था करवाने में जुटा हुआ है, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधाओं का सामना न करना पड़े। समालखा क्षेत्र में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बाढ़ जैसे हालातों से निपटने के लिए रेत से भरे बैग व अन्य संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। बता दे कि किसानों का यमुना जलस्तर से काफी नुकसान हुआ है, पानी खेतों में भर चुका है। जिसमें खेतों में खड़ी फसल भी डूब चुकी है किसानों को लगातार बढ़ का खतरा सता रहा है।पानीपत प्रशासन आपात स्थिति से निपटने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। वहीं, आट्टा यमुना पुल पर लोगों की भीड़ जमा है। कई लोग मोटरसाइकिल और गाड़ियों के साथ वहां पहुंच रहे हैं और सेल्फी ले रहे हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि इस बारिश के कुछ फायदे भी हैं। जल स्रोतों में वृद्धि से अगले फसल सत्र में अच्छी पैदावार की उम्मीद है।

मोदी और नायब सरकार की उपलब्धियों से हताश कांग्रेस के नेता कर रहे हैं बेतूकी बयानबाजी : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भाजपा के संगठन की ताकत है। उन्होंने कहा कि हमें संगठन को और अधिक मजबूत करना है। बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में चलने वाले सेवा पखवाड़ा में युवा मोर्चा का बहुत बड़ा योगदान रहने वाला है।

ये बातें बड़ौली ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में युवा मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश, भाजयुमो जिला अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व और युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रमों की योजना-रचना पर चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारियों

को सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई और जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है। हर वर्ग के लोगों को मोदी और नायब सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों से कांग्रेस हताश और निराश है, इसलिए कांग्रेस के नेता बेतूकी बयानबाजी कर रहे हैं। बैठक में उन्होंने मोदी सरकार और नायब सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। बैठक के बाद बड़ौली ने कहा कि छह मोर्चों और सभी विभागों व प्रकोष्ठों की बैठकें हो चुकी हैं। आज की बैठक में युवा मोर्चा के सभी जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी एवं प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि अब जिलावार मोर्चों और विभाग व प्रकोष्ठों की बैठकें 15 सितंबर तक संपन्न हो जाएगी। सेवा पखवाड़ा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा प्रदेश के सभी संगठनात्मक 27 जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन करेगा। जिला स्तर पर स्वास्थ्य कैंप लगाए जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्ति पर प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी। बड़ौली ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता जिला व मंडल स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाएंगे। वोकल फॉर लोकल कार्यक्रमों के जरिए लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूक करेंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सेवा पखवाडा के तहत प्रबुद्धजन व बुद्धिजीवी सम्मेलन होंगे साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पौधारोपण करेंगे। सेवा पखवाड़ा के तहत ही भाजपा के कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में पात्र लोगों की सहायता भी करेंगे।

बरसात में मकान की छत गिरी, महिला की मौत

हिसार। जिले के नारनौंद क्षेत्र के गांव कोथ कलां में बारिश के कारण दो मंजिला मकान गिर गया। छत के नीचे दबने से एक महिला की मौत हो गई। महिला का पति और दो लड़की गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जींद के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव कोथ कलां निवासी आशिन अपने परिवार सहित गांव में एक दो मंजिला मकान में रहता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। रात से ही लगातार बारिश हो रही थी वह अपने परिवार के साथ एक कमरे में नीचे सो रहे थे कि रात के करीब दो बजे अचानक से मकान की छत गिर गई। पूरा परिवार मलबे के नीचे दब गया। छत गिरने की आवाज सुनकर ग्रामीण उठकर मौके पर पहुंचे और उन्होंने मलबे के नीचे से सभी को निकाला और इलाज के लिए जींद अस्पताल में ले गए। डॉक्टरों ने 33 वर्षीय रहीसा को मृतक घोषित कर दिया।

यमुना में जलस्तर खतरे के निशान पर, प्रशासन ने कसी कमर

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत लगातार हो रही बारिश के बीच यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। स्थिति का जायजा लेने के लिए उपायुक्त सुशील सारवानने पबसरा, मनौली, टोकी सहित यमुना तटीय गांवों का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, प्रशासन हर परिस्थिति में ग्रामीणों के साथ खड़ा है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित गांवों में पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और पशुधन की सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं किसी भी हालत में बाधित न हों।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को तैयार रखा गया है। उपायुक्त ने बताया कि यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पास बह रहा है और बारिश जारी रहने पर इसमें वृद्धि संभव है। इसके बावजूद प्रशासन ने

राहत और बचाव कार्यों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। नावों और प्रशासन तक पहुंचाएं ताकि राहत कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

NAME CHANGE

I, AMIT PRAKASH SHARMA S/o CHANDER PRAKASH R/o House No. 20, Ground Floor, E2.1, Vatika India Next, Sector 82, Gurgaon, Haryana-122004, have changed the name of my minor son AARAV SHARMA aged 12 years and he shall hereafter be known as AARAV UNIYAL.

NAME CHANGE

I, AMIT PRAKASH SHARMA S/o CHANDER PRAKASH R/o House No. 20, Ground Floor, E2.1, Vatika India Next, Sector 82, Gurgaon, Haryana-122004, have changed the name of my minor son AARAV SHARMA aged 12 years and he shall hereafter be known as AARAV UNIYAL.

महिला आयोग अध्यक्ष ने किया वन स्टॉप सेंटर व महिला थाना का निरीक्षण

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने झज्जर में वन स्टॉप सेंटर और महिला थाना का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला थाना और सेंटर के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मौके पर मौजूद महिलाओं से उनका पक्ष सुना और थाना व सेंटर में मौजूद महिलाओं से उनका पक्ष जाना। अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह पीड़ित महिलाओं से तीन-चार महीने तक लगातार संपर्क रखें।

निरीक्षण के दौरान चेयरपर्सन ने वन स्टॉप सेंटर के रजिस्टर में दर्ज शिकायतों का अवलोकन किया और कई पीड़ित महिलाओं से फोन पर बातचीत कर उनकी वर्तमान स्थिति जानी। उन्होंने सेंटर के काउंसलरों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मामले की कम से कम तीन से चार महीने तक लगातार मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही कुछ मामलों में रैंडम कॉल कर यह सुनिश्चित किया जाए कि महिला आज भी किसी समस्या या शोषण का शिकार न हो और सुरक्षित जीवन जी रही हो। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए एकीकृत सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करता है जहाँ उन्हें कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक परामर्श, अस्थायी आश्रय, पुलिस व न्यायिक सहायता और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस केंद्र का उद्देश्य पीड़ित महिला को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना है।इसके बाद चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने महिला थाना का भी दौरा किया। यहां उन्होंने पीड़ित महिलाओं से सीधे मुलाकात की और उनके मामलों को समझा। कई मामलों में उन्होंने स्वयं फोन पर दूसरे पक्ष से भी बातचीत की, ताकि विवाद का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसीपी सुरेंद्र कंबोज, महिला थाना प्रभारी किरण, इंस्पेक्टर सुनीता मौजूद रहे। इस दौरान डीसीपी जसलीन कौर मौजूद रहीं। महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने, पीड़ित महिलाओं को तुरंत सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्थाए महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने और जन जागरूकता अभियान चलाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

अगस्त में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कुल 34,236 यूनिट्स बेचीं

नई दिल्ली ।

अगस्त 2025 में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कुल 34,236 यूनिट्स बेचीं, जिनमें से 29,302 यूनिट्स घरेलू बाजार और 4,934 यूनिट्स एक्सपोर्ट के लिए थीं। कंपनी ने अपने बिक्री के आंकड़े हाल ही में जारी कर दिए। कंपनी द्वारा जारी यह आंकड़ा पिछले साल अगस्त की बिक्री की तुलना में 11प्रतिशत ज्यादा है। जनवरी से अगस्त 2025 तक, कंपनी ने कुल 2,41,696 यूनिट्स बेचीं, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत ज्यादा है। इसका श्रेय कंपनी की बेस्ट-सेलिंग एमपीवी इनोवा को जाता है, जिसने लगातार 20 सालों से भारतीय ग्राहकों का भरोसा जीता है और अब तक 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। टोयोटा के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने कहा कि ग्राहकों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है और फेस्टिव सीजन में कंपनी और भी वैल्यू-एडेड सेवाएं लेकर आएगी। इसके अलावा, टोयोटा ने हाल ही में अर्बन क्रूजर टैसोर का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च किया है, जिसमें ब्ल्यूइस ब्लेक कलर और सभी वेरिएंट्स में स्टैंडर्ड 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। वहीं, कंपनी ने अपनी लक्ज़री सेडान कामरी हायब्रिड का नया स्प्रींट एडिशन भी पेश किया है, जो और भी स्पोर्टी लुक में आता है। टोयोटा का मेक-इन-इंडिया फोकस भी साफ नजर आ रहा है। कंपनी ने कामाराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) के साथ नया समझौता किया है ताकि भारत से एक्सपोर्ट को और बढ़ाया जा सके।

भारत में सैमसंग का नया गैलेक्सी एफ17 5जी होगा लॉन्च

नई दिल्ली ।

सैमसंग जल्द ही भारत में अपना नया गैलेक्सी एफ17 5जी लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआती कीमत 14,990 रुपये होगी। यह डिवाइस 6 साल तक ओएस और सिक्योरिटी अपडेट देने का वादा करता है। गैलेक्सी एफ17 5जी में 6.67-इंच का सुपर अमोलेड डिस्प्ले होगा, जिसमें फुल एचडी प्लस रिज़ॉल्यूशन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा। यह गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग पसंद करने वालों के लिए बेहतरीन अनुभव देगा। फोन में एक्सीनोस 1330 चिपसेट होगा, जो 5जी कनेक्टिविटी और स्मूद परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। कैमरे की बात करें तो इसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप होगा। 50एमपी का प्राइमरी कैमरा, 13एमपी अल्ट्रा-वाइड और 2एमपी मैक्रो लेंस के साथ, यह शानदार फोटोग्राफी का अनुभव देगा। वहीं, सेल्फी के लिए 32एमपी का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है। फोन में 5000एमएएच की बैटरी होगी, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी।

सैमसंग इस फोन को एंड्राएड 15 आधारित वनयूआई वन यूआई 7 पर लॉन्च करेगा। गोरिल्ला ग्लास प्रोटेक्शन के साथ आने वाला यह फोन डिज़ाइन में भी आकर्षक होगा। इसकी बिक्री फ्लीपकार्ट सैमसंग की ऑफिशियल वेबसाइट और रिटेल स्टोर्स पर होगी। कंपनी का लक्ष्य उन यूजर्स को आकर्षित करना है जो कम बजट में भी एक फीचर-पैक्ड 5जी स्मार्टफोन चाहते हैं।

बीते महीने बजाज ऑटो ने की कुल 4,17,616 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो के लिए अगस्त 2025 का महीना काफी अच्छा रहा। बजाज ऑटो कंपनी ने इस महीने कुल 4,17,616 यूनिट्स की बिक्री की। यह बिक्री पिछले साल अगस्त 2024 की तुलना में 5प्रतिशत ज्यादा है।

हालांकि, इस बढ़त का मुख्य कारण ओवरसीज मार्केट रहा, क्योंकि घरेलू मार्केट में अभी भी सुस्ती देखने को मिली। टू-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी ने 3,41,887 यूनिट्स बेचीं, जो सालाना आधार पर सिर्फ 2प्रतिशत ज्यादा रही। वहीं, घरेलू बिक्री 12प्रतिशत घटकर 1,84,109 यूनिट्स पर आ गई।

लेकिन एक्सपोर्ट्स ने इस गिरावट की भरपाई कर दी। कंपनी ने अगस्त में 1,57,778 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए, जो 25प्रतिशत की जोरदार बढ़त है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट ने बजाज के लिए और भी बेहतर प्रदर्शन किया।

इस श्रेणी में कुल बिक्री 21प्रतिशत बढ़कर 75,729 यूनिट्स पर पहुंच गई। खासतौर पर एक्सपोर्ट्स में 58प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली, जो 27,440 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, घरेलू बाजार में भी 7प्रतिशत बढ़त दर्ज हुई और बिक्री 48,289 यूनिट्स रही। विशेषज्ञों का मानना है कि फेस्टिव सीजन आने से कंपनी की घरेलू बिक्री में भी सुधार होगा।

एनलॉन हेल्थकेयर की बाजार में धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत

नई दिल्ली ।

एनलॉन हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी के शेयर बीएसई पर 91 रुपए के निर्गम मूल्य पर सूचीबद्ध हुए, जबकि एनएसई पर यह एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 92 रुपए पर लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के समय कंपनी का बाजार पूंजीकरण 487.93 करोड़ रुपए रहा। कंपनी के 121 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और अंतिम दिन तक इसे 7.12 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। आईपीओ का मूल्य दायरा 86 से 91 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था।

हालांकि लिस्टिंग प्रीमियम सीमित रहा, लेकिन मजबूत सब्सक्रिप्शन यह दर्शाता है कि निवेशकों में कंपनी को लेकर विश्वास है। आगे की कीमतों पर नज़र रखने से निवेशकों को स्पष्ट रणनीति बनाने में मदद मिल सकती है।

वीवो एक्स300स्मार्टफोन अक्टूबर में होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी वीवो ने फ्लैगशिप सीरीज़ वीवो एक्स300 स्मार्टफोन अक्टूबर में लॉन्च होगा। यह दुनिया का पहला फोन होगा जिसमें डायमेंसिटी 9500 चिपसेट दिया जाएगा। वीवो एक्स300 का सबसे बड़ा हाइलाइट इसका कैमरा सेटअप है। इसमें 200एमपी का प्राइमरी कैमरा होगा, जो खासतौर पर वीवो के लिए तैयार किया गया सैमसंग एचपीबी सेंसर है। यह सेंसर 23एमएम अल्ट्रा-क्लियर आउटपुट और 50एमएम हाई-रेज़ॉल्यूशन शॉट्स को सपोर्ट करता है। इसमें ड्रेसिस टी कोटिंग और ब्लू ग्लास भी है, जिससे फोटो की क्वालिटी और भी बेहतर हो जाती है। इसके अलावा फोन में 50एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 50एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस मिलेगा। पेरिस्कोप लेंस में सोनी आईएमएक्स 885 सेंसर और 3एक्स ऑप्टिकल ज़ूम होगा, जो मैक्रो फोटोग्राफी को भी सपोर्ट करेगा। लीक के मुताबिक वीवो एक्स300 प्रो वेरिएंट में 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 50एमपी प्राइमरी कैमरा का और भी एडवांस सेटअप मिलेगा।

सोने-चांदी की कीमतों ने बनाया नया रिकॉर्ड

- सोना 1,06,199 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,25,249 प्रति किलो

नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों ने नए रिकॉर्ड बनाए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर वायदा सोना 1,06,199 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। सुबह के कारोबार में यह कॉन्ट्रेक्ट 407 की तेजी के साथ खुला और खबर लिखे जाने तक 1,06,060 रुपए पर कारोबार कर रहा था। सोने के दामों में लगातार हो रही तेजी के पीछे वैश्विक अनिश्चितता, डॉलर में कमजोरी और सुरक्षित निवेश के प्रति बढ़ती मांग को कारण माना जा रहा है। इस महीने अब तक सोने ने 1,06,199 रुपए का नया शिखर छू लिया है। दूसरी ओर, चांदी के दामों में मंगलवार को रिकॉर्ड तेजी के बाद आज थोड़ी नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा चांदी 89 रुपए की गिरावट के साथ 1,24,441 रुपए प्रति किलो पर खुली। दिन के दौरान यह 1,24,432 रुपए के स्तर तक फिसल गई। हालांकि इस महीने इसका उच्चतम स्तर 1,25,249 रुपए रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी मजबूत स्थिति में हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,600 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 3,597.20 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इसने साल का उच्चतम स्तर 3,616.90 डॉलर छू लिया है। वहीं, चांदी 41.15 डॉलर पर खुलकर 41.26 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बनी रही तो सोने-चांदी की कीमतों में और तेजी देखी जा सकती है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.06 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे की बढ़त के साथ 88.00 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को रुपया अपने अब तक के सर्वकालिक निचले स्तर 88.15 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया आज 88.15 पर खुला और बाद में 88.00 तक मजबूत हुआ। हालांकि, विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी निकासी और वैश्विक बाजारों में डॉलर की मजबूती के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। डॉलर सूचकांक, जो डॉलर की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दर्शाता है, 0.09 फीसदी की बढ़त के साथ 98.48 पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि निकट भविष्य में डॉलर की चाल और विदेशी निवेश की दिशा रुपये की स्थिति तय करेगी। बाजार सहभागियों की नजर अब अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की नीति पर टिकी है।

अर्बन कंपनी का 1,900 करोड़ का आईपीओ 10 सितंबर से खुलेगा

नई दिल्ली । मोबाइल ऐप आधारित घरेलू एवं सौंदर्य सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 98 रुपए से 103 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का कुल मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। आईपीओ 10 से 12 सितंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 9 सितंबर को बोली लगाएंगे। कंपनी नए शेयर जारी कर 472 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि मौजूदा निवेशक 1,428 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। प्रमुख निवेशक एक्सेल इंडिया, बेसेमर इंडिया कैपिटल, एलिवेशन कैपिटल सहित अन्य शेयर बेचेंगे। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल नई तकनीक, क्लाउड अवसंरचना, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित अर्बन कंपनी घरेलू सेवाओं में डिजिटल बदलाव ला रही है और निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रस्तुत कर रही है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त 2025 में 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मांग की बेहतर स्थिति और नए ऑर्डर तथा उत्पादन में तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई है। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के 60.5 से बढ़कर अगस्त में 62.9 हो गया। यह जून 2010 के बाद सेवा क्षेत्र में विस्तार की सबसे तेज दर को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे अंक का मतलब संकुचन होता है। सर्वेक्षण के अनुसार अगस्त में मांग में उल्लेखनीय सुधार ने नए ऑर्डर और गतिविधियों को 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया। इसके साथ ही, उत्पादन शुल्क में भी जुलाई 2012 के बाद सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। मुद्रास्फीति की दर नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिससे कीमतों में तेजी आई। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक जुलाई के 61.1 से बढ़कर अगस्त में 63.2 हो गया, जो 17 वर्षों में सबसे तेज विस्तार का संकेत है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि यह सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में व्यापक उत्पादन वृद्धि को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण में लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के जवाबों को शामिल किया गया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का संकेत देते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 410, निफ्टी 135 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही लिवाली (खरीदारी) बढ़ने से बाजार बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 409.83 अंक की तेजी के साथ ही 80,567.71 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.45 अंक बढ़कर 24,715.05 पर बंद हुआ हालांकि आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 368.10 अंक की तेजी के साथ 57,345.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.15 अंक की मजबूती के साथ 17,748.45 पर था। सेक्टोरल आधार पर मेटल, पीएसयू बैंक, फार्मा, कमोडिटीज और ऑटो शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। केवल आईटी और मीडिया शेयरों में ही गिरावट दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो टाटा स्टील, टाइटन, एमएंडएम, आईटीसी, इटरनल, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचयूएल, टीसीएस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

बाजार में बढ़त के पीछे जीएसटी स्लैब को संभावित रूप से तर्कसंगत बनाने की संभावना भी है। उससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। जीएसटी परिषद की बैठक आज से शुरू हो गई है और शुक्रवार को इसके फैसलों की घोषणा होगी। इसमें दरों में कमी की संभवना है। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजारों की शुरुआत अच्छी रही पर जल्द ही बाजार नीचे आ गया। सेंसेक्स 100 अंकों की बढ़त के साथ 80,295.99 पर खुला पर थोड़ी ही देर में यह 32.41 अंक नीचे आकर 80,190.29 पर आ गया। इसी तरह निफ्टी ने 24,616 के स्तर से शुरुआत की पर इसके बाद यह मामूली 2.05 अंकों की गिरावट के साथ 24,593 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर आज वैश्विक स्तर पर भी बाजारों में गिरावट रही। अमेरिका के डाउ जोंस, एसएंडपी 500 और नैस्डैक मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। वॉल स्ट्रीट पर मंगलवार को गिरावट के बाद बुधवार सुबह एशियाई बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को लेकर नई चिंताओं के कारण सेंटीमेंट्स प्रभावित हुए। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.5 फीसदी, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.35 फीसदी गिरावट में रहा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग स्थिर रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.55 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 0.69 फीसदी कमजोर हुआ और टेक-हैवी नैस्डैक कंपोजिट 0.82 फीसदी नीचे गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की आवास ऋण बाजार में हिस्सेदारी बढ़ी, निजी बैंक पीछे

मुंबई । अप्रैल-जून तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने आवास ऋण बाजार में अपनी हिस्सेदारी में बड़ी बढ़ोतरी की है। क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 तक पीएसबी की हिस्सेदारी 46.2 प्रतिशत पहुंच गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने 37.6 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 35.2 प्रतिशत से घटकर 28.2 प्रतिशत रह गई। निजी बैंक स्थिरता की कमी और उच्च ब्याज दरों की शिकायत करते रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के आवास ऋणों में डिफ़ॉल्ट की दर 2.85 प्रतिशत है, जबकि निजी बैंकों में यह केवल 1.04 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि पीएसबी ने बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई है, पर उन्हें डिफ़ॉल्ट की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा- ट्रंप

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में भारत पर लगाए गए 50 फीसदी आयात शुल्क का कड़ा बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा है, जिसमें भारत ने अमेरिकी सामानों पर भारी शुल्क लगाया जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान आसानी से प्रवेश कर जाते थे। ट्रंप ने बताया कि भारत ने कई उत्पादों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले उस पर भारत में 200 फीसदी तक शुल्क था, जिससे अमेरिकी उत्पाद महंगे और अप्रतिस्पर्धी हो गए। कंपनी ने बाद में भारत में उत्पादन शुरू कर दिया ताकि भारी शुल्क से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के कारण अमेरिकी कंपनियों के लिए व्यापार करना कठिन हो गया है, जबकि भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार खुला रहा। ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत अधिकांश तेल और सैन्य सामान रूस से खरीदता है और अमेरिका से बहुत कम खरीदता है, जिससे अमेरिका के लिए अवसर कम हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका आ रही हैं ताकि वे शुल्क से बच सकें और अमेरिकी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकें। वहीं, भारत ने अमेरिका के शुल्क को अनुचित और असंगत बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार किसानों, छोटे उद्योगों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेगी।

युवा निवेशकों के लिए सही समय से ज्यादा जरूरी है समझ और अनुशासन

मुंबई ।

अधिकांश लोग सोचते हैं कि निवेश का सही समय पकड़कर बड़ा फायदा उठाया जा सकता है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। बाजार के उतार-चढ़ाव का सही अनुमान लगाना मुश्किल है। सही समय का इंतजार करते-करते कई मौके निकल सकते हैं। इसलिए नियमित और लॉन्ग टर्म निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक बाजार विशेषज्ञ बताते हैं कि निवेश में सबसे जरूरी है स्पष्ट फाइनेंशियल गोल बनाना। इससे खर्च और निवेश की योजना बनाना आसान होता है। इसके अलावा, 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना अनिवार्य है, ताकि अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सके। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाएगा, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। समय के साथ निवेश की कीमत बढ़ती है और यह लंबी अवधि में धन संचित करने का सबसे अच्छा तरीका है। अक्सर लोग बिना रिसर्च किए दोस्तों या रिश्तेदारों की सलाह पर निवेश कर लेते हैं, जो नुकसानदेह साबित हो सकता है। कई बार सलाहकारों का मकसद कमीशन कमाना होता है, इसलिए खुद समझकर और शोध करके ही निवेश करें। निवेश को विभिन्न माध्यमों में फैलाना यानी डाइवर्सिफिकेशन, बाजार गिरने पर नुकसान को कम करता है। युवा निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड जैसे प्रोफेशनल और डाइवर्सिफाइड निवेश उत्पाद सबसे बेहतर विकल्प हैं, जो सुरक्षित और कम जोखिम वाले होते हैं।

टीबीओ टेक क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करेगी

मुंबई ।

यात्रा वितरण प्लेटफॉर्म टीबीओ टेक ने अमेरिका स्थित लक्जरी ट्रैवल कंपनी क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करने के लिए द नजफी कंपनीज के साथ समझौता किया है। यह कदम टीबीओ टेक के लिए उत्तरी अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। क्लासिक वेकेशंस की अधिग्रहण प्रक्रिया फीनिक्स स्थित निवेश कंपनी द नजफी कंपनीज के माध्यम से पूरी हुई है, जिन्होंने 2021 में एक्सपीडिया ग्रुप से क्लासिक वेकेशंस को खरीदा था। टीबीओ टेक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की विकास रणनीति को आगे बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीबीओ क्लासिक वेकेशंस को अपनी प्रणाली के साथ एकीकृत करेगा और भविष्य में इसी तरह के रणनीतिक गठबंधनों के लिए तैयार रहेगा। अंकुश ने इस अधिग्रहण को टीबीओ की वैश्विक विस्तार योजना के हिस्से के रूप में देखा है। क्लासिक वेकेशंस की सीईओ ने बताया कि टीबीओ के साथ मिलकर वे क्लासिक वेकेशंस को लक्जरी यात्रा के क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार के रूप में मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से कंपनी की वैश्विक पहुंच और ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध और भी मजबूत होंगे।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

ललित गर्ग

एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए।

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्वीपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंड़ित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड को ना, पोषण को कहें हां

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से सात सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है। अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्टफूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा। हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषण का अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता। शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

निक्की हत्याकांड़ : कितनी विश्वसनीय बच्चे की गवाही ?

कमलेश जैन

दहेज का लेन-देन भारतीय समाज में दशकों से हो रहा है। हाल में निक्की भाटी हत्याकांड़ अपनी वीभत्सता के चरम पर पहुंच गया। इस घटना से समूचा देश सन्न रह गया। हर कोई इस दुखद घटना को लेकर दहेज कानून को कायदे से लागू न किए जाने पर मलाल तो जता ही रहा है, साथ ही जोरदार मांग उठ रही है कि आरोपियों के खिलाफ काननू-सम्मत सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें कड़ी सजा दिलाईजानी चाहिए। इस मामले में छोटा बच्चा चश्मदीद गवाह है। लेकिन बच्चे की गवाही को लेकर कुछ जटिलताएं हैं। आरोप है कि निक्की को पति और सास ने मिल कर पकड़ा, पति ने ज्वलनशील पदार्थ उसके ऊपर ड़ाला और छह साल के बेटे के सामने उसे जला ड़ाला। यहां एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठता है कि आखिर, एक बच्चे की गवाही ऐसे केस में अदालत के सामने क्या मायने रखती है? कोर्ट उसे मानता भी है या नहीं?

भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत एक नाबालिग का बयान तभी विश्वसनीय है जब वह दूसरे प्रकार के सवालों का जवाब सही तरीके से दे सकता हो। सवाल है कि धारा 118 के अंतर्गत क्या कोई बच्चा विश्वसनीय गवाह की श्रेणी में आता है, या नहीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है-कि ऐसी गवाही, यदि विश्वसनीय है, एक तरह की है, जिसमें बार-बार बदलने की प्रवृत्ति नहीं है-तब वह सजा देने लायक ठीक है। इसकी विश्वसनीयता जांचने की जरूरत नहीं है-यानी दूरी गवाही से मिलान करने की जरूरत नहीं है। यह गवाही अपने आप में पूर्ण है।

एक विश्वसनीय, एक जैसी और तर्कयुक्त गवाही की संपुष्टि आवश्यक नहीं है। पर नाबालिग की गवाही की संपुष्टि यदि मेड़िकल एविडेंस़ से हो जाती है तो बच्चे की गवाही पूर्णतया विश्वसनीय है। पहले कोई यह जांचता है कि बच्चे की समझदारी किस स्तर की है। क्या वह साधारण बातों को समझता है। आसान सवालों जैसे-माता-पिता का नाम, स्कूल का नाम, घर का पता ठीक-ठीक बता सकता है-जो पढ़ा है, उसे समझ कर बोल सकता है-और तब यदि बच्चा इस टेस्ट में पास हो जाता है, तभी उसे मुकदमे के बारे में गवाही देने को कहा जाता है। बच्चे को जांचने का नियम है 'वॉयर ड़ायर टेस्ट'। यह एक फ्रेंच शब्द है, जिसका अर्थ है 'वह जो सच है'। बच्चा इसी टेस्ट से गुजारा जाता है। देखा जाता है कि वह इस टेस्ट पर खरा उतरता है या नहीं? बच्चे की गवाही की संपुष्टता, सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार कतई जरूरी नहीं है, यदि उसकी गवाही उचित और विश्वसनीय है। निर्मल कुमार बनाम यूपी राज्य (1992) ए.आई.आर.एस सी. 1131 तथा सुदेश बनाम यूपी राज्य (2001) 3 एस.सी.सी. 673 में 5 वर्ष के बच्चे की गवाही देने की परिपक्वता, सच्चाई का टेस्ट किया गया है। 1961 से लागू दहेज कानून के बावजूद भारतीय हिन्दू समाज आज तक इस बीमारी से उबरता क्यों नहीं? धीर-धीरे इस अपराध ने हमारे समाज के ताने-बाने को बिखरेना शुरू कर दिया है। आखिर, इसकी मांग ही क्यों है समाज में? एक लड़की का पिता उसकी समुचित देखभाल कर एक स्वस्थ, शिक्षित, होनहार लड़की विवाह में वर पक्ष को समर्पित करता है, फिर भी दहेज की चाहत क्यों बढ़ती जा रही है जिसमें लड़के की संपूर्ण परिवार लालच की हदें पार कर देता है।

इसका नतीजा क्या होता है? लड़के वालों को जानना चाहिए कि 'क्राइम नेवर पेज' यानी अपराध कभी फलीभूत नहीं होता। याद रखिए, खून कर कोई नहीं बचता। अकेली लड़की को ससुराल में पूरा परिवार दहेज के नाम पर दानवों की तरह नोच कर खा लेना चाहता है। वे लालच के सामने प्रेम, दया, समान व्यवहार की भावना को दूर-दूर तक दफन कर देते हैं। लड़की की जान तो जाती है, दुर्व्यवहार से पर जो उस पर अत्याचार करते हैं, वे भी खुद को नीचे गिरा रहे हैं। कोई इंसान खुद के साथ सबसे बुरा यही कर सकता है कि वह जानवर के स्तर तक गिर जाए और यह सब कुछ लालच के कारण करता है। यह बर्ताव उसे कुछ पल की खुशी, आनंद या ताकत प्रदान कर सकता है, पर यह पूरे परिवार के लिए त्रासदी का काम करती है। ऐसा नहीं है कि एक शिकार है, और दूसरा शिकारी। दोनों ही शिकार हैं। लड़की जान से जाती है, तो लड़के का पूरा परिवार जेल की हवा खाता है, परिवार बदनाम हो जाता है, दूसरे लड़के -लड़की का

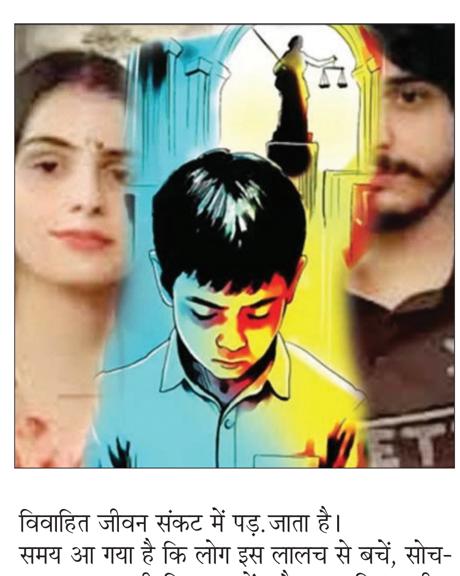

विवाहित जीवन संकट में पड़.जाता है।

समय आ गया है कि लोग इस लालच से बचें, सोच-समझ कर शादी-विवाह करें और एक विश्वसनीय, स्थायी जीवन जीएं और सम्मान के साथ। दहेज की बुराई को कानून की सख्ती से रोकने के प्रयास के साथ जरूरी है कि इस कुरीति के खिलाफ जोरदार जनजागरण किया जाए। ऐसा नहीं है कि ऐसा अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी घटनाएं जब-तब घटती रहती हैं, और हमें सचेत करती हैं कि कहीं न कहीं हमारे प्रयासों में अभी भी कमी है। इसलिए हमें सतत प्रयासरत रहना होगा। समाज में दहेग के प्रति तिरस्कार की भावना पनपना बेहद जरूरी है, जो हमारे प्रयासों से हो पाना संभव है।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य के पूर्व पीएम पर हमला

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस पर संसदीय चुनावों से पहले एक रैली में एक व्यक्ति ने छड़ी से हमला कर दिया। बाबिस को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि पूर्वी चेक गणराज्य के डोबरा शहर में हमलावर को तुरंत हिरासत में ले लिया है। प्रधानमंत्री पेट्र फियाला और आंतरिक मंत्री विट राकुसन ने हमले की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। 2017 में प्रधानमंत्री बने बाबिस 2021 के संसदीय चुनाव हार गए। उन्होंने जनवरी 2023 में राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव लड़ा, लेकिन सेवानिवृत्त सेना जनरल पेट्र पावेल से हार गए।

नाईजीरिया में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने महिला को जलाकर मार डाला

एबूजा, एजेंसी। मध्य नाइजीरिया में भीड़ ने इस्लाम के खिलाफ ईशनिंदा का आरोप लगाकर एक महिला को जलाकर मार डाला। नाइजर राज्य के पुलिस प्रवक्ता वसीउ अबियोदुन ने कहा कि महिला को शनिवार को भीड़ ने हमले में आग लगा दी। क्योंकि उसने पैगंबर मोहम्मद के बारे में टिप्पणी की थी। महिला उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया के कटसिना राज्य की अमाये नामक फूडसेलर थी। पुलिस इस कृत्य की निंदा करती है तथा जनता से हमलावरों की तलाश के दौरान शांत रहने का आग्रह करती है। नाइजीरिया के 12 मुस्लिम बहुल राज्यों में शरिया कानून सामान्य कानून के साथ-साथ लागू है और ईशनिंदा के लिए मृत्यु दंड का प्रावधान है।

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर को मिलेगा प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वह न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करेंगे। एक दिन पहले न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक बयान में गिउलिआनी को न्यूयॉर्क शहर के इतिहास में सबसे महान मेयर और समान रूप से महान अमेरिकी देशभक्त कहा। उनकी 11 सितंबर के हमलों के बाद उनके नेतृत्व के लिए सराहना की गई थी।

अगस्त में नेपाल में हवाई पर्यटकों के आगमन में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने सोमवार को कहा कि अगस्त में हवाई मार्ग से नेपाल में 88,680 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए, जिनमें भारतीय यात्रियों की हिस्सेदारी सबसे बड़ी थी। आने वाले पर्यटकों में 35,505 भारत से थे, जो कुल पर्यटकों का 40 प्रतिशत था। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की सूची में भारत शीर्ष पर रहा। इसके बाद 7,533 पर्यटकों के साथ चीन और 6,068 पर्यटकों के साथ अमेरिका का स्थान रहा। 5,956 पर्यटकों के साथ श्रीलंका और 4,262 पर्यटकों के साथ बांग्लादेश क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। जुलाई 2025 में नेपाल में हवाई मार्ग से 70,193 पर्यटकों का आगमन हुआ था। जनवरी से अगस्त 2025 तक नेपाल में कुल 7,36,562 पर्यटक आए। इनमें 2,10,496 भारतीय थे।

हैती में बख्तरबंद वाहन दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। हैती की राजधानी में दो बख्तरबंद वाहनों की टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और केन्या के आठ पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सभी घायल संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक मिशन के सदस्य थे जो इस अशांत कैरेबियाई देश में गिरोहों से लड़ रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है और उन्हें उपचार के लिए पड़ोसी डोमिनिकन गणराज्य ले जाया गया है। यह दुर्घटना रविवार शाम राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बाहरी इलाके में केंसकॉफ-पेटियन-विले मार्ग पर हुई। मिशन प्रवक्ता जैक ओम्बाका ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक बख्तरबंद वाहन, जो एक खराब वाहन को खींच रहा था, खराब हो गया।

अपनी खास रेलगाड़ी से चीन पहुंचे किम जोंग उन

इस चलते-फिरते महल पर बमों का भी नहीं होता असर

बीजिंग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन चीन पहुंच गए हैं। किम जोंग उन बुधवार को चीन की सैन्य परेड में बतौर अतिथि शिरकत करेंगे। किम जोंग उन अपनी खास ट्रेन से चीन पहुंचे और एक बार फिर उनकी ये ट्रेन चर्चा में आ गई है। उत्तर कोरियाई नेता की हरे रंग और पीली पट्टी वाली ये ट्रेन लोगों के आकर्षण का केंद्र रही है और जब भी उत्तर कोरियाई नेता विदेश दौरों पर जाते हैं तो इसी ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। यह ट्रेन बेहद खास है और ऐसा दावा किया जाता है कि यह ट्रेन बुलेटप्रूफ है और इस पर बम-मिसाइल का भी असर नहीं होता है।

विदेश दौरों पर इसी ट्रेन से जाते हैं किम जोंग उन : किम जोंग उन जिस रेलगाड़ी से चीन पहुंचे हैं, वह बेहद खास है और पीढ़ियों से उत्तर कोरियाई शासक देश-विदेश के दौरों के लिए इस ट्रेन का इस्तेमाल करते आए हैं। किम जोंग उन ने विदेश दौरों के लिए एक-दो बार हवाई जहाज का इस्तेमाल किया है, लेकिन किम जोंग उन के पिता और पूर्व उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग इल हमेशा इस खास रेलगाड़ी से ही सफर करते थे। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरियाई शासक की यह खास ट्रेन लग्जरी और अपने सुरक्षा उपायों के लिए जानी जाती है। ऐसे में इसे चलता-फिरता राजमहल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इस ट्रेन को बुलेटप्रूफ और मिसाइल प्रूफ बताया जाता है। यह ट्रेन करीब 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। इस ट्रेन में कॉन्फ्रेंस रूम, ऑडियंस चैंबर, आराम के कमरे बने हैं। इस ट्रेन में सैटेलाइट फोन की सुविधा भी है। किम जोंग इल के समय में इस ट्रेन के देशभर में संचालन के लिए 20 स्टेशन बनाए गए थे। उत्तर कोरियाई नेताओं का परिवार भी अपने दौरों के लिए इस खास ट्रेन का ही इस्तेमाल करता है।

ट्रेन में दो बख्तरबंद मर्सिडीज गाड़ियां भी रहती हैं मौजूद : उत्तर कोरिया की तरह ही इस ट्रेन की खासियतों के बारे में भी दुनिया को बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है और जब किम जोंग उन विदेश दौरों पर जाते हैं, तभी इस ट्रेन की तस्वीरें दुनिया के सामने आती हैं। साल 2023 में जब किम जोंग उन ने रूस का दौरा किया था, उस वक्त भी वे इसी ट्रेन से रूस पहुंचे थे। उस वक्त जो तस्वीरें सामने आई थी, उनमें ट्रेन के भीतर का शानदार इंटीरियर, फर्नीचर आदि की झलक देखने को मिली थी। साथ ही खाने-पीने के लिए किचन, रेस्तरां और अन्य सभी सुख सुविधाओं से लैस इस ट्रेन में किम का कार्यालय भी है, जहां से वे सफर के दौरान भी अपने सभी जरूरी काम कर सकते हैं। चीनी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस ट्रेन में 10-15 डिब्बे होते हैं, जिनमें से कुछ सिर्फ उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। इस ट्रेन में किम जोंग उन की दो बख्तरबंद मर्सिडीज गाड़ियां भी होती हैं।

विदेशों में कैसे दाखिल होती है ये ट्रेन? : जब भी किम जोंग उन विदेश दौरा करते हैं तो उत्तर कोरिया की सीमा तक वे इस ट्रेन से सफर करते हैं। जब सीमा पार करते हैं कुछ बदलाव किए जाते हैं। जैसे जब किम जोंग उन ने रूस का दौरा किया था तो वहां के गेज चौड़े हैं, जिसके चलते किम की ट्रेन के पहियों को बदला गया था। चीन में ऐसे किसी बदलाव की जरूरत नहीं है, लेकिन चीन में किम की ट्रेन के इंजन को बदला जाता है और उसमें चीन में बने खास इंजन लगाए जाते हैं

रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी वित्त मंत्री का बेतुका बयान, कहा- भारत गलत कर रहा, एक पॉइंट पर हमें आगे आना पड़ेगा,

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी नेताओं के बेतुके बयान जारी हैं। अब अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना की है और आरोप लगाया कि भारत अभी भी रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और यूक्रेन युद्ध को बढ़ा रहा है। एक स्थानीय मीडिया को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट ने भारत को गलत बताया और कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो अमेरिका और इसके सहयोगियों को एक पॉइंट पर आगे आना होगा।

एससीओ बैठक को बताया दिखावा : फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट से जब चीन में आयोजित हुई एससीओ बैठक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह बैठक पहले से तय थी और यह व्यापक तौर पर दिखावा लगा। आखिर में भारत, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसके मूल्य हमारे ज्यादा करीब हैं और उसके बाद चीन के और फिर कहीं रूस के करीब हैं।

उन्होंने कहा, देखिए, ये सभी गलत कर रहे हैं। भारत, रूस की युद्ध मशीन को ईंधन दे रहा है और उसी तरह चीन भी ऐसा कर रहा है। मुझे लगता है कि एक पॉइंट पर अमेरिका और इसके सहयोगियों को आगे आना पड़ेगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत, रूसी तेल खरीदकर उसे रिफाइन करके बेचकर, यूक्रेन में रूस युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने जताई उम्मीद- दोनों देश सुलझा लेंगे मतभेद : स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना के साथ ही ये उम्मीद भी जताई कि अमेरिका और भारत के संबंध सुधर जाएंगे और दोनों देश अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम हैं। स्कॉट बेसेंट ने भारत पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ का भी बचाव किया और कहा कि वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, उनके सबसे बड़े ग्राहक हम हैं, लेकिन हम उन्हें बहुत कम सामान बेचते हैं। अब तक यह पूरी तरह से एकतरफा रिश्ता रहा है, और यह कई दशकों से चला आ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत ने अब तक हमसे इतने ऊंचे टैरिफ वसूले हैं, किसी भी देश से ज्यादा कि हमारे व्यवसाय भारत में सामान नहीं बेच पा रहे हैं। यह पूरी तरह से एकतरफा रहा है।

अब बेल्जियम ने दिया इजरायल को झटका, 12 सख्त पाबंदियां लगाने की तैयारी

इस महीने संयुक्त राष्ट्र में बड़े उलटफेर की तैयारी

तेल अवीव, एजेंसी। बेल्जियम के नेता ने ऐलान किया कि हम इजरायल पर 12 सख्त पाबंदियां लगाएंगे। इसके अलावा इजरायली कंपनियों से किसी भी तरह की खरीद की समीक्षा की जाएगी। प्रेवोत ने कहा कि हम गाजा में जारी मानवीय संकट को देखते हुए यह फैसला ले रहे हैं।

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ऐलान किया था वह 9 से 23 सितंबर तक होने वाली यूएन की महासभा में फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। फ्रांस के बाद फिर कनाडा, ब्रिटेन, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने भी फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है। अब तक यूरोप के देशों को अमेरिकी नीति का पिछलग्गू माना जाता था। ऐसे में अमेरिकी स्टैंड को देखते हुए इन देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी।

लेकिन अब यूरोपीय देशों और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुल्कों की स्थिति बदल गई है। इन देशों का कहना है कि इजरायल नरसंहार कर रहा है और ऐसे में वे फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। इससे पहले बीते एक साल में भी कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी है। इन देशो में मैक्सिको, आर्मीनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, ट्रिनीडाड एंड टोबैगो, जमैका और बार्बाडोस शामिल हैं। अब तक दुनिया के 147 यानी कुल 76 फीसदी देश फिलिस्तीन को मान्यता देते हैं। ऐसे में यदि 6 और देश फिलिस्तीन को मान्यता देंगे तो यह वैश्विक राजनीति में बड़े उलटफेर की शुरुआत होगी।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने मोदी-पुतिन के वीडियो से ट्रंप पर साधा निशाना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में अपराध और अवैध प्रवास पर सख्त कार्रवाई की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को लेकर राजनीतिक खींचतान तेज हो गई है। इसी बीच कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए ट्रंप पर करारा तंज कसा।

न्यूजम डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और 2028 में राष्ट्रपति पद की दौड़ में उतरने के दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, लेकिन चिंता मत कीजिए, ट्रंप शिकागो में गार्ड भेज रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का वीडियो साझा किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन हाथ थामे हंसते हुए शी जिनपिंग की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। इसके बाद तीनों नेता आपस में बातचीत करते और हंसते नजर आते हैं।

शिकागो और न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती की तैयारी : दरअसल, पिछले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप ने इशारा किया था कि वे देश के तीसरे सबसे बड़े शहर शिकागो और फिर न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती कर सकते हैं। वाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, हम अपने शहरों को बेहद सुरक्षित बनाएंगेज मेरा मानना है कि अगला शिकागो होगा और फिर हम न्यूयॉर्क में मदद करेंगे।

ट्रंप का यह बयान डेमोक्रेट्स की कड़ी आलोचना का कारण बना है। गवर्नर न्यूजम खासतौर पर तब से और ज्यादा मुखर हो गए हैं जब ट्रंप ने विवादास्पद कदम उठाते हुए लॉस एंजिलिस में इमिग्रेशन छापों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को शांत करने के लिए लगभग 5,000 सैनिक तैनात कर दिए थे।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति बोले- अमेरिकी सेना ने हमला किया तो करेंगे सशस्त्र गणराज्य का एलान

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को कहा कि यदि उनके देश पर अमेरिकी सेना हमला करती है तो वह सांविधानिक रूप से एक सशस्त्र गणराज्य की घोषणा करेंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सरकार ड्रग कार्टेल के खतरों से निपटने के लिए वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में अपनी समुद्री सेना को बढ़ाने की तैयारी में है। अमेरिका ने तैनात किए जा रहे हजारों सैनिकों द्वारा किसी भी जमीनी घुसपैठ का संकेत नहीं दिया है। फिर भी मादुरो की सरकार ने अपने तट और पड़ोसी कोलंबिया की सीमा पर सैनिकों को तैनात करके, वेनेजुएला के लोगों से एक नागरिक मिलिशिया में भर्ती होने का आग्रह करके जवाबी कार्रवाई की है। मादुरो ने कहा कि अधिकतम सैन्य दबाव के मद्देनजर हमने वेनेजुएला की रक्षा के लिए तैयारी की घोषणा की है। अमेरिकी नौसेना के पास अब कैरिबियन सागर में दो एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस ग्रेवली और यूएसएस जेसन डनहम हैं। यह तैनाती ऐसे समय में की गई है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन कार्टेलों को विफल करने के लिए सेना का उपयोग करने पर जोर दिया है, जिन्हें वे अमेरिकी समुदायों में फेंटेनाइल और अन्य अवैध दवाओं के प्रवाह और कुछ अमेरिकी शहरों में हिंसा को जारी रखने के लिए जिम्मेदार मानते हैं।

सूडान में भूस्खलन, 1000 लोगों के मारे जाने की आशंका; दारफुर का पूरा गांव तबाह

दारफुर, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह- सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने सोमवार को बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है।

गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत

सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है। राहत और बचाव कार्य चलाने में मदद और मलबे के नीचे दबे शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से गुहार लगाई गई है।

सूडान में आधे से ज्यादा लोग भुखमरी की चपेट में

गृहयुद्ध ने सूडान की आबादी पर गहरा असर डाला है. आधे से ज्यादा लोग भुखमरी के संकट का सामना कर रहे हैं और लाखों लोग अपने घर छोड़कर पलायन कर चुके हैं. उत्तर दारफुर की राजधानी अल-फाशिर भी लगातार हमलों की चपेट में है.

एसएलएम/ए ने कहा कि भूस्खलन की यह त्रासदी देश की मौजूदा मानवीय स्थिति को और भयावह बना रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए.

सूडान में दो साल से जारी है गृहयुद्ध

यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब सूडान पहले से ही गंभीर संकट का सामना कर रहा है. सूडानी सेना और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सके बीच पिछले दो साल से जारी गृहयुद्ध ने देश की स्थिति और बिगाड़ दी है.

पाकिस्तान में लकड़ी घोटाले का पर्दाफाश, 1.7 अरब का किया गबन, 140 अधिकारी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 1.7 अरब पाकिस्तानी रुपये के बड़े लकड़ी घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। जिसमें लगभग 2.3 मिलियन क्यूबिक फीट अवैध रूप से काटी गई लकड़ी जब्त की गई। इस घोटाले में 140 अधिकारी फंसे हैं। इनको कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही इनके खिलाफ चार्जशीट तैयार की जा रही है। राज्य सरकार ने आगे की कार्रवाई के लिए कुछ मामलों को पाकिस्तान के राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग को भी भेज दिया है।

पेशावर में वानिकी योजना और निगरानी सर्कल (एफपी एंड एमसी) ने बताया कि जब्त की गई लकड़ी मुख्य रूप से बट्टाग्राम के अल्लाई तहसील और क्षेत्र के अन्य इलाकों से बरामद की गई थी। यह जांच राज्य मंत्रिमंडल के निर्देशों के तहत की गई। इसमें वुडलॉट्स, अनुमोदित कार्य योजनाओं, एफडीएफ योजनाओं, सूखे खड़े और हवा से गिरे पेड़ों पर 2003 की नीति के साथ-साथ अवैध लकड़ी काटने की नीति की समीक्षा की गई।

टीम ने 370 मामलों की जांच की। इसमें 168 (45.4 प्रतिशत) में नियमों का अनुपालन पाया गया। 91 (24.6 प्रतिशत) में मामूली समस्याएं थीं और 111 (30 प्रतिशत) में बड़े उल्लंघन सामने आए। जांच के दौरान 4.39 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को साफ किया गया। जबकि 1.545 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को मामूली दोषों के सुधार के बाद मंजूरी दी गई। वहीं गंभीर उल्लंघनों के कारण 2.361 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को जब्त किया गया।

सबसे ज्यादा अनियमितताएं वुडलॉट्स में देखी गईं। जबकि सूखे, खड़े और हवा से गिरे पेड़ों की श्रेणी में 76 मामलों में से 22 में बड़े उल्लंघन शामिल थे। एफडीएफ योजनाओं में 36 मामलों में कोई बड़ी विसंगतियां नहीं थीं और अवैध लकड़ी कटान नीति के तहत केवल एक मामूली उल्लंघन पाया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब्त की गई लकड़ी के मामलों में अधिकारियों ने अंकन मानकों की उपेक्षा की। अनुमोदित कार्य योजनाओं का पालन नहीं किया और अवैध कटाई कराई। मामले में वन विभाग ने दक्षता और अनुशासन नियम 2011 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की है। इसमें 140 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ आरोप पत्र तैयार किए जा रहे हैं। अस्पष्ट कारणों से लकड़ी के अंकन और कटाई की निगरानी तीन साल के लिए रोक दी गई थी।

नेपाल ने चीन की ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव का नहीं किया समर्थन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आर्थिक और विकास सलाहकार डॉ. युवराज खतीवड़ा ने स्पष्ट किया है कि नेपाल ने चीन के विश्व सुरक्षा पहला या ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) का समर्थन नहीं किया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम ओली के बीच हाल में हुई द्विपक्षीय वार्ता को लेकर उठे सवालों पर डॉ. खतीवड़ा ने कहा कि उस मुलाकात में इस विषय पर कोई समझौता या सहमति नहीं हुआ। खतीवड़ा ने बताया कि नेपाल सरकार किसी भी देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगी। यह वार्ता 30 अगस्त को चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के अवसर पर हुई थी।

आईडीएफ ने गाजा में तबाह किए हमास के भूमिगत ठिकाने, मिस्र ने की इस्राइली सैन्य कार्रवाई की आलोचना

तेल अवीव/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठनों और उनके ठिकानों को निशाना बनाते हुए अभियान जारी रखा। इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने बताया कि उन्होंने गाजा के कई हिस्सों में कार्रवाई की।

आईडीएफ ने बताया कि उत्तर गाजा में तोपों से हमला कर निगरानी चौकियों और एक ऐसी जगह को नष्ट किया गया, जहां से एंटी टैंक मिसाइल चलाई गई थी। इस कार्रवाई में किसी भी इस्राइली सैनिकों को नुकसान नहीं हुआ। सैनिकों ने जबालिया के पास लगे कैमरों और भूमिगत विस्फोटक ठिकानों को भी हटाया। दक्षिण गाजा में भी आतंकियों और उनके भूमिगत ठिकानों को निष्क्रिय किया गया।

अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहा इस्राइल-मिस्र

उधर, मिस्र ने गाजा पट्टी में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई और उसके विस्तार की निंदा की। मिस्र ने कहा कि इस्राइल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है, जबकि दुनिया इस युद्ध और क्षेत्रीय तनाव को खत्म करना चाहती है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मिस्र और कतर की ओर से दिए गए संघर्षविराम प्रस्ताव पर इस्राइल की ओर से जवाब न आना यह दिखाता है कि वह शांति और तनाव कम करने के प्रयासों के खिलाफ है।

सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों, थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

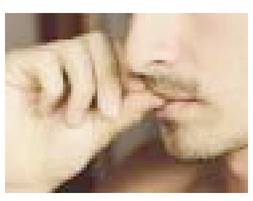

घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

रेसिपी

मेथी का रायता

सामग्री

■ ताजी मेथी: 50 ग्राम ■ गाढ़ा दही: 1 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी ■ चाट मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: 1/2 टीस्पून ■ चीनी: 1/4 टीस्पून ■ रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून ■ धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

स्पाइसी बीन कबाब

सामग्री

■ आधा प्याज बारीक कटा हुआ ■ 4-6 बारीक कटा लहसुन ■ उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप ■ ओट्स: 1 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप ■ कॉर्न : 1/2 कप ■ रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून ■ रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून ■ सोय सॉस: 1/4 कप ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार ■ कुछ धनिया

विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2576

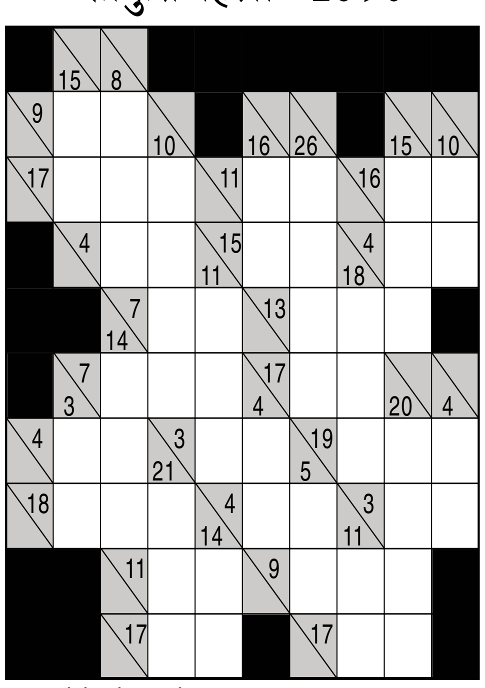

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

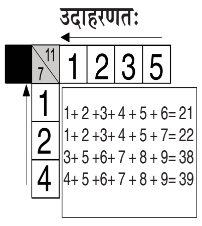

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2575 का हल

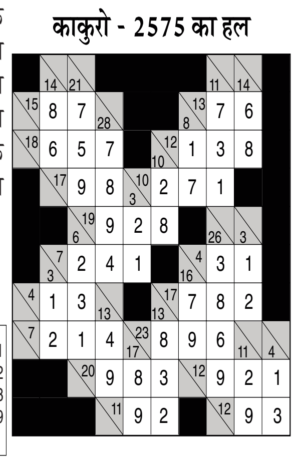

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

फिल्म वर्ग पहेली- 2576

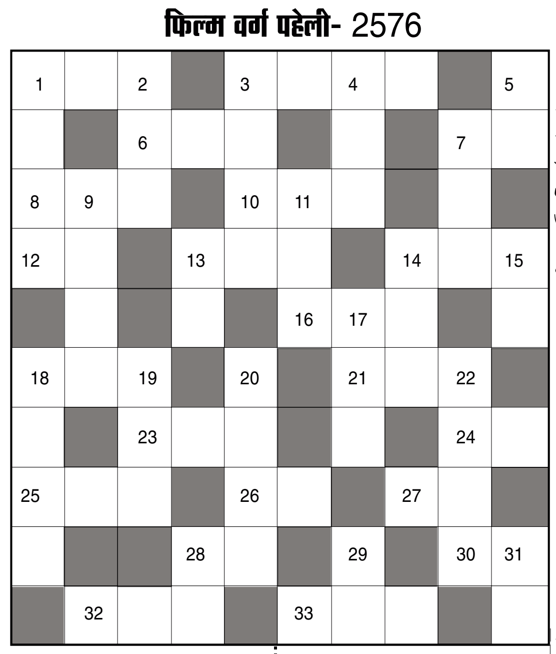

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2575

सूडोकु -2576

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2575 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2576

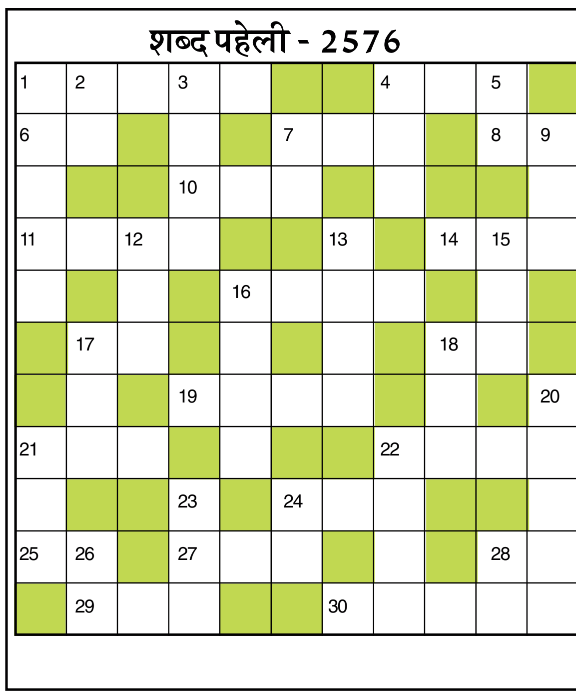

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली - 2575 का हल

असम में 3.5 तीव्रता का भूकंप, लोगों में फैली दहशत

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के शोणितपुर जिला में आज शाम मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों में दहशत फैल गई। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार असम के शोणितपुर जिला में 05 बजकर 33 मिनट 29 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र शोणितपुर जिले जमीन के अंदर 15 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.69 उत्तरी अक्षांश तथा 92.92 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

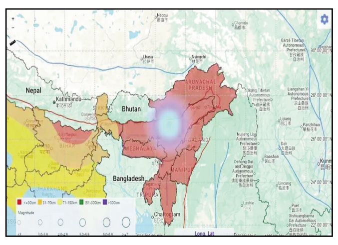

हैदराबाद के सीमा शुल्क विभाग के कार्यालय के दो अधिकारी रिश्वत मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद स्थित जीएसटी/सीमा शुल्क विभाग के कार्यालय के वरिष्ठ लेखा अधिकारी और वरिष्ठ सहायक को रिश्वतखोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया। सीबीआई ने आरोपियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपितों ने शिकायतकर्ता से वेतन समता बिल से संबंधित बकाया राशि जारी करने के लिए 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद रिश्वत की राशि घटाकर 25 हजार रुपये कर दी गई। शिकायतकर्ता जीएसटी/सीमा शुल्क विभाग (हैदराबाद) सहायक आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हैं। सीबीआई ने जाल बिछाकर दोनों आरोपितों जीएसटी/सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ लेखा अधिकारी डी. प्रकाश राव और वरिष्ठ सहायकपी. सुदर्शन को शिकायतकर्ता से 25,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपितों के हैदराबाद स्थित आवासीय परिसर की तलाशी जारी है।

गोरखा सैनिकों की वीरगाथा को संजोएगी योगी सरकार

गोरखपुर। मां भारती की आन, बान व शान में सर्वस्व न्योछावर करने का जज्बा रखने वाले गोरखा सैनिकों की वीरगाथा को संजोने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। इसके तहत प्रदेश का संस्कृति विभाग गोरखा रेजिमेंट के गोरखा भर्ती डिपो (जीआरडी) गोरखपुर में स्थित गोरखा युद्ध स्मारक का सौंदर्यीकरण कराने के साथ यहां एक भव्य संग्रहालय (म्यूजियम) बनवाने जा रहा है। इसका शिलान्यास 4 सितंबर (गुरुवार) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के हाथों होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आम जनता के अवलोकनार्थ बनने वाला यह गोरखा रेजिमेंट का पहला संग्रहालय होगा। इस तरह देश विदेश में अपने शौर्य से खास पहचान बनाने वाले गोरखा रणबाकुरों की कहानी से आम लोग पहली बार रूबरू हो सकेंगे। उस तरह का यह देश का पहला संग्रहालय होगा। गोरखा युद्ध स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश जलनिगम नगरीय की सीएंडडीएस यूनिट 42 का चयन किया गया है। स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय के निर्माण पर 44 करोड़ 73 लाख 37 हजार रुपये की लागत आएगी। इसके तहत संग्रहालय, टॉयलेट ब्लॉक, टिकट काउंटर, वर्तमान भवन का जीर्णोद्धार, वाटर बॉडी, चहारदीवारी, लिफ्ट आदि का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा लाइट एंड साउंड शो, सेवन डी थिएटर, म्यूरल पेंटिंग आदि की व्यवस्थाएं भी रहेंगी।

गुजरात की सूरत एसओजी ने किया नकली वीजा बनाने के रैकेट का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

सूरत। गुजरात की सूरत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने रांदेर इलाके में नकली वीज़ा बनाने के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के साथ विभिन्न देशों के वीज़ा स्टिकर व सामग्री सहित नकदी बरामद की गई है। एसओजी ने आज झगड़िया चौराहा के पास स्थित एक फ्लैट पर छापा मारकर बोगस वीज़ा स्टिकर बनाने वाले रैकेट को पकड़ा पुलिस ने मौके से आरोपित प्रतीक उर्फ़ अभिजीत निलेश शाह को गिरफ्तार किया, जबकि पाँच अन्य को वांछित घोषित किया गया है। इस कार्रवाई में लैपटॉप, विभिन्न देशों के वीज़ा स्टिकर व सामग्री सहित कुल ?1.30 लाख की जब्त की गयी है। पुलिस के अनुसार आरोपित एजेंटों के जरिये फर्जी वीज़ा बनवाकर लोगों को विदेश भेजने की तैयारी करता था। एसओजी के पीआई एपी चौधरी को गश्त के दौरान सूचना मिली कि समोर रेसिडेंसी, फ्लैट-202 (श्रीजी नगरी सोसायटी के पास) में आरोपित घर पर ही फर्जी वीज़ा स्टिकर तैयार करता है।

जनसंघ का बोया गया बीज आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा रूपी वट वृक्ष बन चुका है : सिंधिया

एजेंसी

इंदौर। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राजमाता विजयराजे सिंधिया ने मिलकर जनसंघ का बीज बोया था जो आज अंकुरित होकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा रूपी वट वृक्ष का रूप ले चुका है। अपने इंदौर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भाजपा कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ऐसी चरित्रहीन पार्टी हो गई है, जिसके बारे में बात भी नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री की दिवंगत मां को अपशब्द कहने के मामले में उन्होंने कहा कि जो दल चरित्रहीन होते हैं, उनकी स्थिति ऐसी ही स्तरहीन हो जाती है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया आज इंदौर में भाजपा कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस और

उसके नेताओं पर जमकर हमला किया। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रदेश की महिलाओं को शराबी कहने पर कांग्रेस पार्टी को चरित्रहीन बताया। पटवारी के खेलों में परिवारवाद को लेकर दिए बयान पर सिंधिया ने कहा कि उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ाने में लगे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के नेता, कार्यकर्ता उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। सिंधिया ने भाजपा कार्यालय में मंडल एवं जिला अध्यक्षों, विधायकों तथा संगठन की नई और पुरानी टीमों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने 'सेवा' को भारतीय जनता पार्टी का केवल नारा नहीं, बल्कि कार्य करने की मूल संस्कृति बताया और कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता का सर्वप्रथम धर्म जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पित है। सिंधिया ने नीति निर्धारण, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और जन संवाद के माध्यम से पार्टी की विचारधारा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राजमाता विजयराजे सिंधिया ने मिलकर जनसंघ का बीज बोया था जो आज अंकुरित होकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा रूपी वट वृक्ष का रूप ले चुका है। भाजपा ही एक ऐसा संगठन है जो तमाम कठिनाइयों के बावजूद अपनी विचारधारा से डिगा नहीं है।

मेघालय के जॉइंट ट्रेनिंग नोड में शुरू हुआ भारत-थाईलैंड का सैन्य अभ्यास 'मैत्री'

एजेंसी

उमरोई। भारत और थाईलैंड के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' का 14वां संस्करण मेघालय के उमरोई स्थित जॉइंट ट्रेनिंग नोड (जेटीएन) में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। 14 सितंबर तक चलने वाला यह द्विपक्षीय अभ्यास दोनों देशों के बीच चल रहे सैन्य आदान-प्रदान कार्यक्रमों का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारतीय सेना और रॉयल थाई सेना के बीच सहयोग, संयुक्त सहभागिता और आपसी समझ को विस्तार देना है। अभ्यास में हिस्सा ले रही भारतीय सेना की टुकड़ी में 120 सैन्य कर्मी शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है। रॉयल थाई आर्मी की 53 कर्मियों वाली टुकड़ी का प्रतिनिधित्व प्रथम इन्फैंट्री बटालियन 14वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड कर रही है। दोनों देशों के बीच होने वाला यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के अंतर्गत अर्ध-शहरी इलाकों में कंपनी स्तर के आतंकवाद रोधी अभियानों पर केंद्रित होगा। दो सप्ताह के इस आयोजन में सामरिक अभ्यास, संयुक्त कार्य योजना, विशेष हथियार कौशल, शारीरिक क्षमता निर्माण और छापामार कार्रवाई शामिल हैं। इस सैन्य अभ्यास का 13वां संस्करण थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्राकन में आयोजित किया गया था। मौजूदा अभ्यास 48 घंटे के प्रमाणीकरण अभ्यास के साथ समाप्त होगा, जिसमें यथार्थवादी परिचालन परिदृश्यों का अनुकरण किया जाएगा। यह मैत्री अभ्यास भारत व थाईलैंड के बीच वर्ष 2006 में शुरू किया गया था, जो महत्वपूर्ण संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यासों में से एक है। वर्तमान संस्करण द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को पहले से अधिक सशक्त करेगा और यह क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं सुरक्षा के प्रति दोनों सेनाओं की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

जयपुर में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त,कई पॉश इलाकों में भरा पानी

बिजली गुल, ट्रेनों और हाइवे पर यातायात बाधित

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में हुई मूसलाधार बारिश ने राजधानी की रफ्तार थाम दी। दो घंटे की तेज बरसात ने शहर के पॉश इलाकों को पानी में डुबो दिया। तेज हवा और बारिश के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। कोटा के दरा रेलवे स्टेशन के पास बुधवार तड़के लैंडस्लाइड होने से कोटा-मुंबई रेल ट्रैक पर 9 ट्रेनों को रोकना पड़ा। ट्रेनों को रावठा, अलनिया मोड़क और रामगंज मंडी जैसे नजदीकी स्टेशनों पर खड़ा किया गया। प्रभावित ट्रेनों में गरीब रथ (12909), बांद्रा-जयपुर सुपरफास्ट (12979), बांद्रा-सूबेदारगंज स्पेशल (04126), मन्नारगुडी-भगत कोठी (22674), मुंबई-दुरंतो (22210), गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस (15636), नई दिल्ली-डॉ. अंबेडकर सुपरफास्ट (20156), स्वर्ण मंदिर मेल (12903) और मुंबई-जयपुर (12955) शामिल हैं।

हाइवे पर जलभराव

कोटा-झालावाड़ नेशनल हाइवे

पर दरा नाल के पास पानी भर जाने से ट्रैफिक अवरुद्ध रहा। वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसा रहना पड़ा।

अन्य जिलों में हालात

दौसा में तेज बारिश के दौरान पुलिस वैन ट्रक से भिड़ गई, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। बांदीकुई (दौसा) और सीकर के फतेहपुर इलाके में हुई मूसलाधार बारिश से कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ। बीकानेर में दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही।

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र भी बारिश की मार से अछूता नहीं रहा। मंत्री और विधायक भारी बारिश के बीच सदन पहुंचे।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, मानसून ट्रफ बीकानेर, जयपुर, दतिया, सीधी, पुरी होते हुए बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय है।

मध्य प्रदेश : गांधीसागर और कूनो बने इको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश अब पर्यटन की दुनिया में नया अध्याय लिखने जा रहा है। यहां के घने जंगल, नदियों का सुकून और रोमांच से भरपूर गतिविधियां अब इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म के रूप में पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। प्रदेश के दो बड़े आयोजन, गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट को राज्य सरकार द्वारा इस साल खास अंदाज में तैयार किया गया है। दरअसल, पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी दी कि गांधीसागर और कूनो जैसे आयोजन केवल पर्यटन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने वाले मंच साबित होंगे। यही वजह है कि गांधीसागर और कूनो अब इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे हैं।चंबल नदी पर बने गांधीसागर डैम का बैकवाटर इलाका अब रोमांच का गढ़ बनने जा रहा है। यहां 12 सितंबर से गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चौथा संस्करण शुरू होगा। मंदसौर जिले में होने वाला यह आयोजन पहले ही देश-विदेश के सैलानियों का ध्यान खींच चुका है। इस बार यहां 50 लग्जरी ऑल सीजन टेंट सिटी बनाई गई है, जहां पर्यटक आधुनिक सुविधाओं के बीच जंगल और नदी का रोमांच महसूस करेंगे। इसके अलावा पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, ज़ोरबिंग जैसी साहसिक गतिविधियां पर्यटकों का दिल जीतेंगी। बोट सफारी, बोट स्पा, जंगल सफारी और बटरफ्लाई गार्डन जैसे अनुभव भी पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़ेंगे। वहीं, रॉक गार्डन और स्थानीय

हस्तशिल्प पर आधारित कार्यशालाएं क्षेत्रीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर देंगी। श्योपुर जिले का कूनो राष्ट्रीय उद्यान, जहां हाल ही में चीता पुनर्वास का ऐतिहासिक क्षण देखा गया, अब इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक धरोहर का संगम प्रस्तुत करेगा। 5 अक्टूबर से कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट का दूसरा संस्करण यहां आयोजित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की माता के अपमान पर भड़कीं भाजपा महिला नेत्री, कहा- राहुल गांधी-तेजस्वी को मांगनी चाहिए माफी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक भाषा एवं अपशब्दों के प्रयोग पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों के नेताओं एवं भाजपा महिला नेत्रियों ने कांग्रेस-आरजेडी और इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। साथ ही, बिहार एनडीए के घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने पटना में प्रेस कांफ्रेंस कर आगामी 04 सितंबर को बिहार बंद का आह्वान किया। यह बंद बिहार एनडीए के घटक दलों की महिला मोर्चा द्वारा आहूत है। भाजपा की महिला नेत्रियों ने देश के विभिन्न स्थानों पर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी से माफी की मांग की है। देश की हर मां का कांग्रेस -आरजेडी द्वारा अपमान किए जाने और पांच दिन बाद भी इसके लिए कांग्रेस-आरजेडी द्वारा माफी नहीं मांगे जाने को लेकर भाजपा की महिला

नेत्रियों ने मीडिया के माध्यम से देश की हर मां की ओर से विरोध दर्ज कराया। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की 'मतदाता अधिकार यात्रा' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां पर अपमानजनक और अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया। यह अत्यंत निंदनीय, शर्मनाक और अशोभनीय है। प्रधानमंत्री की मां के प्रति यह दुर्व्यवहार भारत की हर मां का अपमान है। आज प्रधानमंत्री के हृदय में जो पीड़ा है, वही पीड़ा बिहार और हमारे देश की जनता को भी समान रूप से महसूस हो रही है।

सीतारमण ने कहा कि सीता माता की पावन धरती पर कांग्रेस और राजद ने भारत की उस मातृशक्ति का अपमान करने का दुस्साहस किया है, जिसका सदियों से सम्मान किया जाता रहा है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि न तो राहुल गांधी, न ही तेजस्वी यादव और न ही इंडी गठबंधन के किसी नेता ने माफ़ी मांगी है। आयोजकों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को इस कुकृत्य के लिए बिना शर्त माफ़ी मांगनी चाहिए। बिहार की जनता ऐसे कुकृत्यों को कभी स्वीकार नहीं करेगी और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह भारत है। यहां माताओं की पूजा की जाती है, 'मां' शब्द हमारी भावनाओं को जगाता है, हमारे बीच आपसी मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मैं एक मां को इसमें घसीटने की निंदा करती हूं, यह शर्मनाक है। यदि किसी राजनीतिक दल की संस्कृति में माता का अपमान करना उचित समझा जाता है, तो इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण एवं ओछी राजनीति का उदाहरण और कोई नहीं हो सकता।

आम आदमी पार्टी ने पंजाब की राजनीति को शर्मसार किया : तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की घटिया राजनीति पूरी तरह उजागर हो चुकी है। विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा के ख़िलाफ़ तीन साल पहले दर्ज की गई शिकायत पर अब जाकर दुष्कर्म का केस दर्ज होना आम आदमी पार्टी की सरकार की नाकामियों को छिपाने की घटिया राजनीति है। जारी एक विज्ञप्ति में तरुण चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मामले को तीन साल तक दबाए रखा, लेकिन जैसे ही पठानमाजरा ने बाढ़ संकट में सरकार की नाकामियों और दिल्ली दरबार की नीतियों पर सवाल उठाए, मान सरकार अचानक सक्रिय हो गई। यह बदले की घटिया राजनीति है। चुग ने कहा कि बाढ़ में फंसे परिवारों की मदद करने के बजाय मान सरकार विपक्षी आवाज़ों को दबाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि पठानमाजरा वही विधायक जिसने सरकार की नाकामियों पर सवाल उठाए, अब पुलिस पर गोलियां चलाकर हिरासत से फरार हो रहा है। यह दिखाता है कि पंजाब की कानून-व्यवस्था आप सरकार में पूरी तरह एक कॉमेडी सर्कस बन चुकी है। चुग ने आगे कहा कि तथाकथित 'आपदा पार्टी' अब झूठ और लूट के पीछे नहीं छिप सकती। सच सामने आ चुका है और पंजाब में शासन का ढांचा शर्मनाक स्तर तक ढह चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया, जो बदलाव की राजनीति का दावा करते हैं, बाढ़ में डूबे पंजाबियों की मदद के वक्त ग़ायब क्यों हैं। पंजाब की जनता जवाब मांग रही है और अब मान सरकार जवाब देने से भाग नहीं सकती।

हिमाचल में भारी बारिश का अलर्ट, 5 नेशनल हाईवे और 1334 सड़कें बंद, भाखड़ा डैम के चारों फ्लड गेट खोले गए

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून का असर भी जारी रहा। शिमला में दिनभर झमाझम बारिश होती रही, वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में भी लगातार वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे यानी 3 सितंबर के लिए छह जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। कांगड़ा, मंडी, सिरमौर और किन्नौर में ओरेंज अलर्ट जबकि ऊना और बिलासपुर में येलो अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार 4 सितंबर से मॉनसून धीरे-धीरे कमजोर होगा और 4 से 8 सितंबर तक हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। बीते 24 घंटे में बिलासपुर जिले के नैना देवी में सर्वाधिक 200 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला जिले के रोहड़ू में 80, हमीरपुर के बड़सर में 60, कुकुमसेरी, नादौन, धर्मशाला, ऊना, करसोग, आरएल बीबीएमबी, भुंतर, सराहन, मनाली, नाहन और चुआडी में 50-50 मिमी, नंगल डैम व ऊना में 49-49, भुंतर व सराहन में 47-47, बंजार में 42 और बिलासपुर में 40 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। बारिश

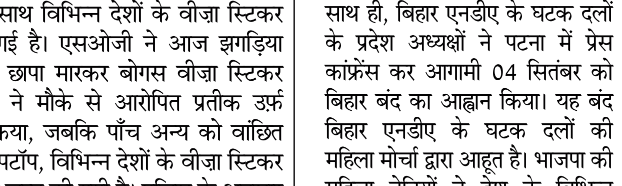

और भूस्खलन के कारण प्रदेश में परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। मंडी और कुल्लू जिलों में नेशनल हाईवे बंद रहने से कई वाहनों की दिन में लंबी कतारें लगी रहीं। किन्नौर जिले में घूमने आए केरल के पर्यटकों को प्रशासन ने सुरक्षित रूप से अवरुद्ध निगुलसरी मार्ग से शिमला के लिए रवाना किया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार शाम तक कुल पांच नेशनल हाईवे और 1334 सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी में 281, शिमला में 255, चंबा में 239, सिरमौर में 139 और सोलन में 46 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में एनएच-3 और एनएच-305, किन्नौर में एनएच-5, मंडी में एनएच-3 और सिरमौर में एनएच-707 यातायात के लिए ठप पड़े हैं। लगातार भूस्खलन के कारण रेलवे ने कालका-शिमला हेरिटेज ट्रैक पर 5 सितंबर तक ट्रेनों की आवाजाही रद्द कर दी है। भारी बारिश से बिजली और पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही। पूरे प्रदेश में 2180 ट्रांसफार्मर बंद हो गए हैं। सिरमौर में 443, मंडी में 373, कुल्लू में 323, शिमला में 302, चंबा में 207, सोलन में 191, हमीरपुर में 129 और लाहौल-स्पीति में 117 ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली गुल रही।

उप्र के अलीगढ़ में अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के जट्टारी पिशावा इलाके में खेतों में बनी अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर मौके से भारी मात्रा में हथियार एवं कच्चा माल बरामद किया है। दिल्ली के उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, बरामदगी में 6 देशी कट्टे, 12 अधबने पिस्टल, 6 जिंदा कारतूस, 5 खाली कारतूस, 13 बैरल, 44 छोटे बैरल, 12 पाइप, 3 बड़े बैरल पाइप और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें शामिल हैं। इसके अलावा 250 से अधिक पिस्टल बनाने लायक कच्चा माल भी जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की शुरुआत 11/12 अगस्त की रात हुई जब सराय रोहिल्ला इलाके में एक युवक पर फायरिंग की घटना हुई।

नफरत और दुश्मनी की आग भड़काने वालों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं : मौलाना असद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली/गुवाहाटी। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने असम की राजधानी गुवाहाटी के एक निजी होटल में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य में हुई हालिया कार्रवाइयों पर गहरी चिंता और खेद व्यक्त किया। इसके साथ ही कहा कि यह कार्रवाइयां न केवल मानवीय सिद्धांतों के विरुद्ध हैं बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन हैं। उन्होंने बताया कि कल हमने असम के कई स्थानों का दौरा किया, जहां अपनी आंखों से दुखद दृश्य देखे, लोगों के चेहरों पर बेबसी और निराशा झलक रही थी। मौलाना मदनी ने कहा कि ज़्यादा चिंताजनक बात यह है कि लोगों को धर्म के आधार पर विभाजित किया जा रहा है और एक विशिष्ट पहचान रखने वाले समुदाय के विरुद्ध 'मियां' और 'डाउटफुल' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, जो तोड़फोड़ की कार्रवाइयों से भी अधिक कष्टदायक और अपमानजनक हैं। मौलाना मदनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर कोई विदेशी यहां पाया जाए, तो उन्हें बाहर

किया जाए, हमारी संवेदना उनके साथ नहीं है, लेकिन जो भारत के नागरिक बेदखल किए गए हैं, उन्हें फिर से बसाया जाए। जहां पर बेदखली अपरिहार्य हो, वहां सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाए और मानवीय संवेदना को प्राथमिकता दी जाए। विदेशियों के विरुद्ध भी विधि संगत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने असम में जारी उत्पीड़न और दमन को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी और यह मांग एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा संवैधानिक अधिकार है। हमने इस अधिकार का प्रयोग किया है और आगे भी करते रहेंगे। हमें किसी भी धमकी की परवाह नहीं है, हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि मुख्यमंत्री जैसे उच्च पद पर आसीन व्यक्ति कहता है कि वह %मुझे बांग्लादेश भेज देंगे%। मैं कल से असम में हूं, अगर वह चाहें तो मुझे बांग्लादेश भेज दें, लेकिन प्रश्न यह उठता है कि जब मेरे जैसा व्यक्ति, जिसके पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में छह अलग-अलग जेलों की यातनाएं सहन कीं और दशकों तक कुर्बानियां दीं, उसके बारे में यह कहा जा सकता है, तो आम मुसलमानों के प्रति उनका रवैया कैसा होगा? मुख्यमंत्री के इस बयान पर कि वह डरते नहीं हैं, मौलाना मदनी ने कहा कि वह एक राज्य के मुखिया हैं, बड़े पद पर आसीन हैं, उन्हें डरने की आखिर क्या आवश्यकता है? मैं कोई बड़ा नेता नहीं हूं, बस एक आम नागरिक हूं। उनके अनुसार मैं %ज़ीरो% हूं, लेकिन मुझे भी डरने की जरूरत नहीं है। मूल प्रश्न यह है कि देश में घृणा फैलाने वालों को कभी सहन नहीं किया जाएगा। जो लोग नफ़रत और दुश्मनी की आग भड़काते हैं, उनके लिए इस देश में कोई स्थान नहीं है। भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इसकी गौरव और गरिमा है। जो लोग इसे खराब करना चाहते हैं ।

भाजपा ने जावेद अख्तर का कार्यक्रम टालने पर ममता सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी द्वारा प्रसिद्ध कवि एवं गीतकार जावेद अख्तर के कार्यक्रम को टालने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उसे कट्टरपंथियों के दबाव में झुकने का आरोप लगाया है। मामला, 31 अगस्त से शुरू होने वाले उर्दू अकादमी के चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन का है, जिसमें जावेद अख्तर को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था, लेकिन कार्यक्रम से ठीक पहले इसे स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि अकादमी ने अख्तर के कार्यक्रम को रद्द करने के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। अकादमी की सचिव नुजहत जैनब ने

कहा कि अनिवार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम स्थगित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कोलकाता इकाई ने अख्तर को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था और इसके लिए अकादमी को पत्र भी लिखा था। संगठन के स्थानीय महासचिव जिलुर रहमान आरिफ ने कथित तौर पर इस आमंत्रण पर आपत्ति जताई थी। भाजपा ने इसे ममता सरकार की तुष्टिकरण राजनीति से जोड़ा है। केंद्रीय शिक्षा तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री और पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, क्या यह अंधाधुंध तुष्टिकरण का नतीजा है कि कट्टरपंथियों का फरमान ही अंतिम बन जाए? इस सवाल का जवाब केवल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही दे सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा, चौंकाने वाली बात यह है कि बंगाल सरकार को ऐसे साम्प्रदायिक दबावों के आगे झुकना पड़ा, यहां तक कि जावेद अख्तर जैसे दिग्गज कवि की एंट्री पर भी सवाल उठे। असलियत जनता के सामने लाना ममता बनर्जी की जिम्मेदारी है।

विराट कोहली लंदन में फिटनेस टेस्ट देने वाले एक मात्र भारतीय, बीसीसीआई पर उठे सवाल

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने लंदन में अपना फिटनेस टेस्ट करवाया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कथित तौर पर सीनियर बल्लेबाज को विशेष छूट देते हुए उन्हें लंदन में अनिवार्य फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दे दी है, जबकि बाकी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों ने पिछले हफ्ते बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में टेस्ट के लिए रिपोर्ट किया था।

इस साल के अंत में शुरू होने वाले व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीजन से पहले किए जा रहे फिटनेस आकलन में रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जैसे शीर्ष खिलाड़ियों का 29 अगस्त को BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मूल्यांकन किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार कोहली को लंदन में निगरानी में अपना फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दी गई, यह एक ऐसा फैसला है जिसने सभी खिलाड़ियों के लिए आमतौर पर अपेक्षित एक समान प्रोटोकॉल को देखते हुए लोगों को चौंका दिया।

कोहली टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, केवल एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध हैं और अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। BCCI के फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रैंथ एवं कंडीशनिंग कोचों की टीम ने बोर्ड को व्यक्तिगत फिटनेस रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कोहली का लंदन स्थित मूल्यांकन भी शामिल था।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि BCCI के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मानक प्रक्रिया से विचलन पर सीधे तौर पर बात नहीं की, लेकिन पुष्टि की कि कोहली ने विदेश में परीक्षण कराने के लिए 'पूर्वानुमति ली होगी'। हालांकि इस घटना ने इस बात पर एक शांत बहस को जन्म दिया है कि क्या भविष्य में अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह की छूट दी जा सकती है, खासकर उन खिलाड़ियों को जो विदेश में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं या भारत के बाहर व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के साथ हैं।

परीक्षण का पहला चरण मुख्य रूप से आधारभूत शक्ति और रिकवरी पैटर्न पर केंद्रित था। फिटनेस टेस्ट पूरा करने वाले खिलाड़ियों में कोहली के अलावा रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और संजू सैमसन जैसे स्थापित नाम शामिल हैं, साथ ही रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह जैसी उभरती हुई प्रतिभाएं भी शामिल हैं। हालांकि अधिकांश खिलाड़ी आवश्यक फिटनेस मानदंडों पर खरे उतरे, लेकिन कुछ खिलाड़ियों का चल रही कंडीशनिंग या कार्यभार प्रबंधन के कारण आंशिक मूल्यांकन ही हुआ। परीक्षण का दूसरा चरण सितंबर में निर्धारित है और इसमें वे खिलाड़ी शामिल होंगे जो वर्तमान में पुनर्वास या ÷खेल में वापसी÷ चरण में हैं। केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और नितीश रेड्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनका अगले महीने मूल्यांकन होने की उम्मीद है।

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित है और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है।

विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, 'हां, वाडकर को सेंट्रल ज़ोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी।'

जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबाय : माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

आईसीसी एकदिवसीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे जिम्बाब्वे के रजा

–एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन, टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पंड्या शीर्ष पर बरकरार

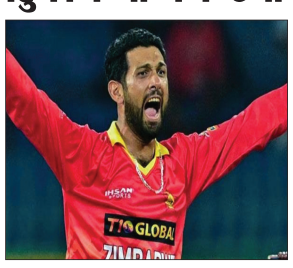

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रजा के अब 302 रेटिंग अंक हैं। रजा ने अफगानिस्तान के ऑलराउंडरों अजमतुल्लाह उमरजई 296 अंक और मोहम्मद नबी 292 अंक को पीछे छोड़ा। अब उमरजई दूसरे और नबी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 92 और नाबाद 59 रनों के अलावा एक विकेट भी लिया था। इससे रजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान का लाभ हुआ है और वह 22वें स्थान पर चले गए हैं। एकदिवसीय मैचों की सीरीज के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। पथुम निसांका 654 अंक लेकर बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर आकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रन बनाये। वहीं जनिथ लियानागे 13 स्थान के लाभ के साथ ही 29वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी रैंकिंग में असिथ फर्नांडो छह पायदान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर और दिलशान मदुशंका आठ स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज नंबर-1 एकदिवसीय गेंदबाज बने हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में चार विकेट लेने के बाद 31 रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ ही कुल 690 अंक हासिल किये हैं। वहीं भारतीय टीम के शुभमन गिल एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शुभमन के 784 अंक हैं। वहीं टी20 रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी : आज से शुरू होगा सेमीफाइनल, इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे। अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे।

अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना

अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है। दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं। यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है।

एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

अश्विन ये मशहूर टी20 लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे, बोर्ड से बाचचीत जारी

नई दिल्ली । रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद IPL से भी संन्यास ले लिया है जिससे उनके विदेशी लीग्स में खेलने के रास्ते खुल गए हैं। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावना है कि पूर्व भारतीय स्पिनर बिग बैश लीग के अगले सीजन में खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग पिछले हफ्ते IPL से संन्यास की घोषणा के बाद से ही इस अनुभवी ऑफ स्पिनर के बिग बैश लीग में खेलने की संभावना को लेकर उनके संपर्क में हैं। ग्रीनबर्ग एक 'चैंपियन क्रिकेटर' और अश्विन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी के बीबीएल में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ग्रीनबर्ग ने कहा, 'अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का BBL के लिए यहां आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट समर में बहुत कुछ लेकर आएंगे।' अगर यह सौदा हो जाता है तो अश्विन BBL में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। 38 वर्षीय अश्विन ने अपने 14 साल के करियर में 287 मैचों में 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। अश्विन ने पहले सोशल मीडिया पर आईपीएल से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में पोस्ट किया था, क्योंकि उन्होंने इस धन–संपन्न टूर्नामेंट में 221 मैचों में से केवल पाँच मैच खेले थे।

कृष्णा बोले, मैंने तारीफ की थी पर बेवजह भड़क गये थे रुट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट की तारीफ की थी पर उसे गलत समझ लिया गया। कृष्णा के अनुसार वह समझ नहीं पाये कि रुट इतने गुस्से में क्यों आ गये थे, इस मैच में रूट और कृष्णा के बीच काफी बहस हुई थी। कृष्णा ने इसी को लेकर से कहा, ''मुझे नहीं पता कि रूट क्यों भड़क गये दी। मैंने तो बस इतना कहा था, 'आप अच्छे लग रहे हो' और इसी से बात बिगड़ गयी। मैंने कई खिलाड़ियों से बात की। मैंने रूट से भी बात की। मैंने पूछा क्या हुआ था तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगा तुमने मुझे गाली दी'। मैंने कहा, 'नहीं, मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा था'। रूट ने फिर कहा, 'असल में मैं अपने को भी प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए बात बढ़ गयी थी।'' वहीं कृष्णा ने कहा, ''मैं हमेशा से इसे इसी तरह खेलता आया हूं। हर किसी को खासकर उनके जैसे दिग्गज को आज भी अपना सब कुछ झोंकते और टीम के लिए संघर्ष करते देखकर अच्छा लगता है। आप मैच जीतने के लिए मैदान में जाते है। इसके लिए कभी–कभी आपको कौशल से ज्यादा की जरूरत होती है। उस सफर का हिस्सा बनने के लिए मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।'' कृष्णा ने इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैच खेले और इनमें कुल 14 विकेट लिए। वहीं रुट ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 500 से ज्यादा रन बनाये हैं।

भारत के प्रणव नें जीता फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप का खिताब

फुजेराह , यूएई (एजेंसी)। फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप के सुपर स्टार्स वर्ग का खिताब भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी प्रणव वी नें अपने नाम कर लिया है। प्रणव नें अंतिम राउंड में पहले बोर्ड पर स्पेन के ग्रांड मास्टर एलन पीचोट को एक शानदार हाथी के एंडगेम में पराजित करते हुए 7 अंक बनाकर शानदार अंदाज में यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है । इसके साथ ही प्रणव नें अपनी लाइव रेटिंग में 28 अंक जोड़ते 2631 की अपने खेल जीवन की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुँच गए है । साथ ही उन्होने 17.6 फीडे सर्किट अंक भी हासिल कर लिए है। पहले पुरुस्कार के तौर पर प्रणव नें 23000 डॉलर भी अपने नाम किए।

शीर्ष 10 के सभी बोर्ड पर हर बाजी का अपना महत्व था क्यूंकी हर परिणाम शीर्ष 10 के खिलाड़ियों को तय करने वाला था । दूसरे बोर्ड पर ईरान के अमीन तबातबाई को जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको नें ड्रॉ पर रोका तो ब्रांडोन नें आज तीसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय भारत के निहाल सरीन से बाजी ड्रॉ खेली वहीं चौंथे बोर्ड पर हंगरी के सनन सुज्गिरोव को यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा नें ड्रॉ पर रोक लिया वही इन तीनों ड्रॉ का फायदा मिला मेक्सिको के होस एड्युआर्डो मार्टिनेज को जिन्होने यूएसए के सैम शंकलंद को पराजित करते हुए शीर्ष तीन में अपना स्थान पक्का कर लिया

6 अंको पर तीन खिलाड़ियों के बीच टाई की स्थिति थी जिसमें बेहतर टाइब्रेक के आधार पर यूएसए के ब्रांडोन जेकोब्सन नें दूसरा , मेक्सिको के होस एड्युआर्डो मार्टिनेज नें तीसरा और ईरान के अमीन तबातबाई नें चौंथा स्थान अपने नाम किया । इन खिलाड़ियों को क्रमशः 13 हजार , 9 हजार और 8 हजार डॉलर जीते ।

प्रतियोगिता में एक मात्र महिला खिलाड़ी चीन की जू जिनर नें अंतिम राउंड में एक बार फिर शानदार खेल दिखाया और बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव को पराजित करते हुए 5.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के साथ पाँचवाँ स्थान अपने नाम किया और साथ ही 7000 डॉलर का पूरुस्कार भी अपने नाम कर लिया ।

अन्य खिलाड़ियों नें टाईब्रेक के आधार पर भारत के आदित्य मित्तल ,जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको, हंगरी के सनन सुज्गिरोव ,यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा और चीन के लू शांगलाई दसवें स्थान पर रहे ।

मास्टर्स वर्ग में यूएसए के ब्रेविंगटन हार्डवे नें 7.5 अंको के साथ पहला स्थान हासिल किया तो 7 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर टर्की के अता उमूत अकबस दूसरे और ईरान के आर्तिन अशरफ तीसरे स्थान पर रहे । वहीं 7 ही अंको पर भारत के कार्तिक वेंकटरामन चौंथे और ईरान के रेज़ा महादवी पांचवें स्थान पर रहे ।

एशिया कप में फिर कुलदीप की हो सकती है उपेक्षा : मनिंदर

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर मनिंदर सिंह ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा हो रही है। मनिंदर को लगता है कि ऐसे में एशिया कप में भी उन्हें खेलने का अवसर शायद ही मिले। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन अक्सर ऐसे गेंदबाजों को वरीयता देता है जो बल्ले से भी योगदान दे सकें। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि कुलदीप को टीम में शामिल न करने के कारण ही भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज़ नहीं जीत पायी। इस पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर कुलदीप टीम में होते तो भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतती। मनिंदर ने कहा, अगर कुलदीप इंग्लैंड में खेलते, तो भारत 3–1 से जीत जाता। उन्होंने कहा कि हमने जिन गेंदबाजों को चुना था, उनके साथ चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करना हमेशा से ही संभव था पर कुलदीप के साथ चीजें अलग होतीं। हमारा चयन जीत के बजाय हार न मानने पर था। अगर हमें जीतना होता, तो कुलदीप हर टेस्ट खेलते। विश्व क्रिकेट में उनके जैसे खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज उनकी गुगली या लेग–ब्रेक को समझ नहीं पाते। उस पहले टेस्ट में अगर कुलदीप चौथे और पांचवें दिन गेंदबाजी कर रहे होते, तो उनके पास 371 रनों का पीछा करने का कोई मौका नहीं होता। इस पूर्व स्पिनर कहा कि इसी को देखते हुए एशिया कप में भी कुलदीप को अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की कम ही उम्मीदें हैं। ऐसे में प्रबंधन उनकी जगह अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को अवसर दे सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में हारी इंग्लैंड, डेब्यू मैच में फ्लॉप रहे बेकर

हैडिंग्ले। इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए इंग्लैंड की टीम 24.3 ओवर में केवल 131 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 18.1 ओवर में ही 121 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में डेब्यू करने वाले इंग्लैंड के के तेज गेंदबाज सनी बेकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने सात ओवर में ही 76 रन दे दिये पर कोई भी विकेट नहीं ले पाये। इस प्रकार वह इंग्लैंड की ओर से डेब्यू मैच में ही सबसे खराब गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले स्पिनर लियाम डॉसन के नाम ये रिकार्ड दर्ज था।

बेकर ने अपने सात ओवर में ही 42 रन लुटा दिये। वहीं डॉसन ने भी अपने पहले ही मैच में 8 ओवर में 70 रन दे दिए थे और उन्हें कोई भी विकेट नहीं मिला। उन्होंने साल 2016 में पाक के खिलाफ ये अनचाहा रिकॉर्ड बनाया था। इस सीरीज के पहले ही मैच में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 24.3 ओवर में केवल 131 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 5.3 ओवर में ही 22 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।.

दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्वकप के लिए टीम घोषित की, 17 वर्षीय खिलाड़ी को मिला मौका

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में 17 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो को शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने लॉरा वोल्वाड्र्ट की अगुवाई वाली टीम में शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एनेके बॉश और ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क और एनेरी डकर्सेन को भी टीम में जगह मिली है। ये तीनों इससे पहले टी20 विश्वकप में टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। ये तीनों खिलाड़ी और मेसो पहली बार एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगी। मेसो ने केवल दो एकदिवसीय मैच खेले हैं और कुल सात सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन दो अंडर–19 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं और इस साल की शुरुआत में स्टेन सिटी के साथ दक्षिण अफ्रीका 20 स्कूल्स का खिताब जीता है। मेसो उन दो खिलाड़ियों में से एक हैं जो पहली बार विश्व कप में खेलेंगी। ऑफ स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर नोंदुमिसो शंगासे का भी यह पहला एकदिवसीय विश्वकप हैं।

महिला वनडे विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम

लॉरा वोल्वाड्र्ट, एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डकर्सेन, सिनालो जाफ्ता, मारिजन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे और क्लो ट्रायॉन।

लवलीना, जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में एक सप्ताह के मूल्यांकन के बाद जुलाई में भारतीय टीम का चयन किया गया था। बोरगोहेन 75 किग्रा वर्ग में, जरीन 51 किग्रा वर्ग में, जबकि ओलंपियन पूजा रानी 80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी।

पेरिस 2024 के बाद से बोरगोहेन और जरीन की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी हो रही है। अन्य उल्लेखनीय भारतीय मुक्केबाजों में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और विश्व मुक्केबाजी कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया (70 किग्रा) और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) शामिल हैं। चैंपियनशिप नॉकआउट प्रारूप में होगी, जिसमें सेमीफाइनल में हारने वालों को कांस्य पदक दिए जाएंगे।

प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के राउंड होंगे, जिनका निर्णय 'टेन पॉइंट मस्ट' प्रणाली के अनुसार होगा। क्वार्टर फाइनल 10 सितंबर से, सेमीफाइनल 12-13 सितंबर से और फाइनल 14 सितंबर से शुरू होंगे। चैंपियनशिप की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में वर्ल्ड 'बॉक्सिंग के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। देश में इसका कोई लाइव टीवी प्रसारण नहीं होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय टीम

महिलाएं : मीनाक्षी हुडा (48 किग्रा), निखत जरीन (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), संजू खत्री (60 किग्रा), नीरज फोगाट (60 किग्रा), सनामाचा चानू (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), नुपुर श्योरण (80 किग्रा)

पुरुष : जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन सिवाच जूनियर (60 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश गुलिया (70 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू अहलावत (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) मुख्य प्रारंभिक और अंतिम राउंड

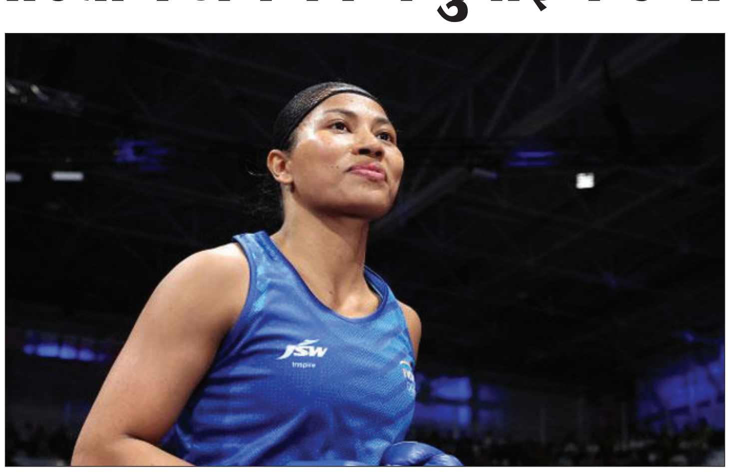

शेड्यूल (आईएसटी) *

4-10 सितंबर : पुरुष और महिला वर्ग के प्रारंभिक दौर

12-13 सितंबर : सेमीफाइनल

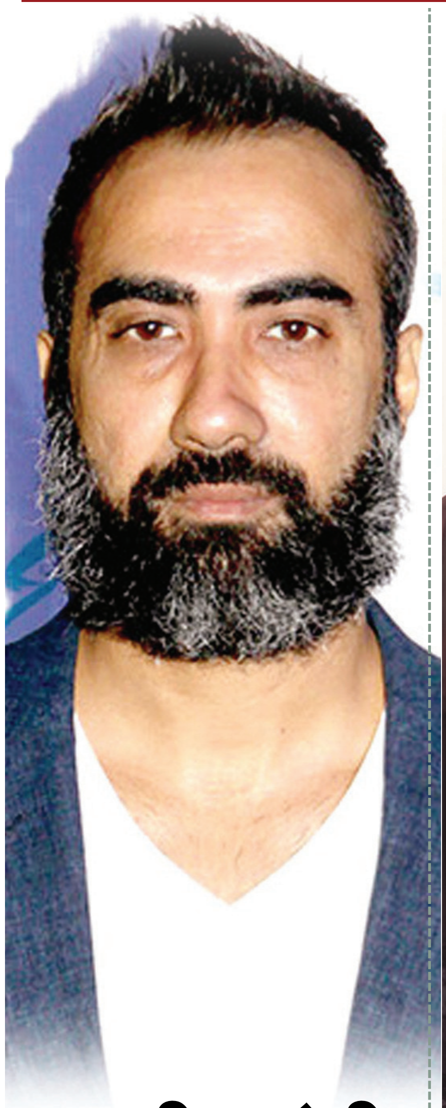

रणवीर शोरी ने बताया क्यों ठुकराई टाइगर जिंदा है

एक्टर रणवीर शोरी सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म एक था टाइगर में नजर आए थे, हालांकि दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है में वो नजर नहीं आए। अब रणवीर ने खुद दूसरी फिल्म छोड़ने की वजह बताई है। साथ ही ये भी कहा है कि दूसरी फिल्म ठुकराने के बावजूद वो गुस्से में टाइगर 3 का हिस्सा बने थे। हाल ही में डिजिटल कमेंट्री को दिए इंटरव्यू में रणवीर शोरे ने टाइगर जिंदा है न करने पर कहा, टाइगर 2 (टाइगर जिंदा है) भी मुझे ऑफर हुई। पहली जब बनी तो जब मैं स्क्रीनिंग पर गया तो यश जी थे सलीम साहब थे उन्होंने भी मेरी पीठ थपथपाई औप कहा बहुत अच्छा काम किया तुमने। मैं भी खुश यार। लेकिन जब पार्ट टू की स्क्रिप्ट आई, रोल मेरा पहले वाले से भी छोटा और पैसे जो ऑफर कर रहे हैं वो पहले वाले से भी कम थे, तो मैंने कहा ऐसा क्यों कर रहे हो यार। अगर लोग मेरे रोल की तारीफ कर रहे हैं तो आपको रोल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, नहीं यही है, तो फिर मैंने मना कर दिया। आगे रणवीर शोरी ने कहा, तीसरे पार्ट (टाइगर 3) में क्या हुआ कि गिरीश जी (गिरीश कर्नाड) का निधन हो गया था। तो टाइगर की ओरिजिनल टीम थी, उसमें मैं ही बचा था, गिरीश जी थे और मैं था। इस बार भी मुझे जो रोल मिला, वो तो आपने देखा ही है, हम इस बारे में बात कर सकते हैं कोई स्पॉइलर नहीं है। तो मैंने कहा तुम मुझे वापस बुला रहे हो मारने के लिए, उन्होंने कहां, हां। पहले तो मुझे भी चोट लगी, लेकिन फिर कहते हैं न गुस्से में आकर कहा कि ठीक है मैं अपने कैरेक्टर को मौत देने आ जाऊंगा। अगर तुम ये इज्जत दे रहे हो इस कैरेक्टर को तो मरने के लिए मैं आ जाऊंगा। पैसे इस बार मैंने ठीक-ठाक लिए। बहुत ज्यादा नहीं लेकिन ठीक-ठाक। कैरेक्टर मारने के लिए मैं चला गया। बताते चलें कि रणवीर शोरे ने टाइगर फ्रैंचाइजी की फिल्मों में गोपी आर्या का किरदार निभाया था।

युजवेंद्र चहल पर धनश्री ने फिर कसा तंज?

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों एक नए रियलिटी शो में नजर आने वाली हैं, जिसके चलते वो चर्चाओं में हैं। हालांकि सुर्खियों में आने की वजह सिर्फ शो नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी है। धनश्री ने अपने रिएलिटी शो राइज एंड फॉल के प्रोमो में एक बयान दिया जिसे सोशल मीडिया पर लोग उनके एक्स-हसबैंड और टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से जोड़कर देख रहे हैं।

प्रोमो में क्या बोलीं धनश्री?

'राइज एंड फॉल' नाम के शो के लेटेस्ट प्रोमो में धनश्री कहते हुए नजर आती हैं- क्वीन को स्टार बनने की जरूरत नहीं है, इंटरव्यू लेने वालों की लाइन पहले से लगी है। और वैसे भी, पेंटहाउस के सारे स्पोर्ट्स चैनल्स मैंने बंद कर दिए हैं। धनश्री की इस लाइन को सीधे पूर्व पति चहल के साथ मामले को जोड़कर देखा गया।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

जैसे ही यह प्रोमो सामने आया, सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे युजवेंद्र चहल पर अप्रत्यक्ष तौर पर टिप्पणी बताया। लोगों का कहना है कि स्पोर्ट्स चैनल वाला जिक्र दरअसल चहल की ओर इशारा है। देखते ही देखते ट्विटर और इंस्टाग्राम पर क्लिप वायरल हो गई और फैंस ने मीम्स की झड़ी लगा दी।

'राइज एंड फॉल' से नई पारी

शो 'राइज एंड फॉल' में धनश्री के साथ कई जाने-माने चेहरे भी शामिल हैं। इसे शार्क टैंक इंडिया के अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में सेलेब्रिटीज को पेंटहाउस और बेसमेंट जैसी दो अलग-अलग दुनियाओं में बांटा गया है। धनश्री का किरदार शुरू से ही हाइलाइट हो रहा है और अब अपने इस प्रोमो के बाद वो एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं।

फिल्म परम सुंदरी के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को मिली 12 करोड़ रुपए फीस

तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी फिल्म परम सुंदरी की पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने लीड रोल प्ले किया है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...इस फिल्म के लिए सिद्धार्थ को 10 से 12 करोड़ रुपए तक की फीस मिली है। फीस के मामले में उन्होंने फिल्म के सभी कलाकारों को पीछे छोड़ दिया है। परम सुंदरी में जाह्नवी (सुंदरी) एक ऐसी लड़की की भूमिका में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है। इस फिल्म के लिए उन्होंने 4 से 5 करोड़ रुपए लिए हैं। फिल्म में संजय कपूर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए उन्हें लगभग 50 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। मनजोत सिंह ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है, जिसके लिए उन्होंने तकरीबन 25 लाख चार्ज किए हैं। रेन्जी पणिक्कर को फिल्म के लिए 25 से 30 लाख रुपए तक की फीस दी गई है। परम सुंदरी का बजट 45 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इसके अलावा सिद्धार्थ जल्द ही फिल्म रेस 4 में भी दिखाई देंगे। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान भी लीड रोल में हैं।

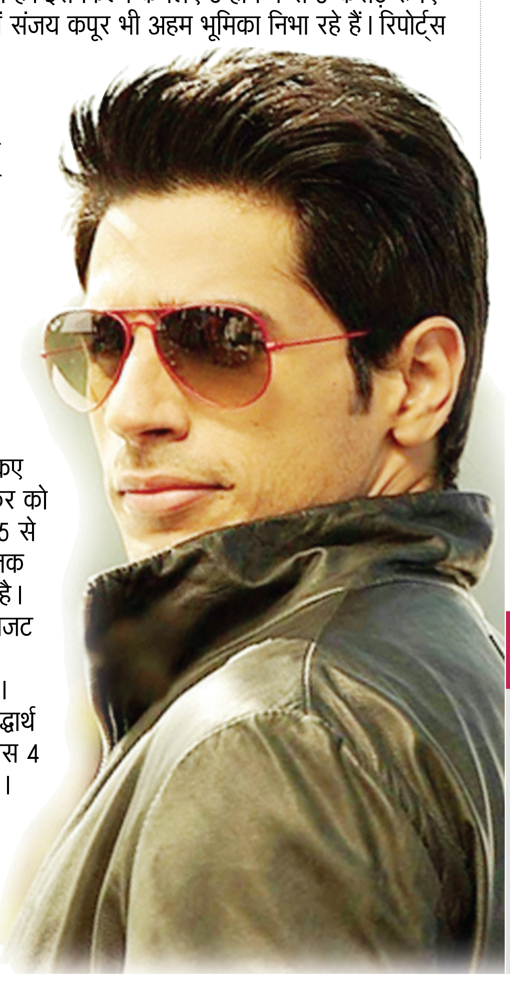

डूमस्क्रॉलिंग पर परिणीति चोपड़ा ने जताई चिंता

तकनीक और सोशल मीडिया के तमाम फायदे हैं, मगर इसके अपने नुकसान भी हैं। डूमस्क्रॉलिंग यानी सोशल मीडिया पर लगातार नेगेटिव कंटेंट और खबरों के स्क्रॉलिंग की आदत। फिर चाहें वह हमारी चिंता और तनाव की वजह बन रही हो। परिणीति ने हाल ही में इस आदत पर चिंता जताते हुए पोस्ट शेयर किया है। परिणीति चोपड़ा ने आज को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर की है। इसमें लिखा है, एक दिन हम डूमस्क्रॉलिंग को उसी नजर से देखेंगे जैसे आज सिगरेट को देखते हैं। लत लगाने वाला, विनाशकारी, और ऐसा कुछ जिस पर हमें यकीन ही नहीं होता कि हमने कभी इतनी लापरवाही से ऐसा किया था। परिणीति चोपड़ा जल्द मां बनने वाली हैं। वे और राघव चड्ढा अपनी पहली संतान का स्वागत करने को तैयार हैं। हाल ही में परी ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की। बता दें कि राघव चड्ढा और परिणीति ने साल 2023 में शादी रचाई।

ओटीटी सीरीज में करेंगी डेब्यू

परिणीति के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही नेटफ्लिक्स की सीरीज में नजर आएंगी। यह परी की पहली ओटीटी सीरीज है। डेब्यू सीरीज को लेकर वे उत्साहित हैं।

परी के अलावा सीरीज में सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन सहित कई और सितारे नजर आएंगे।

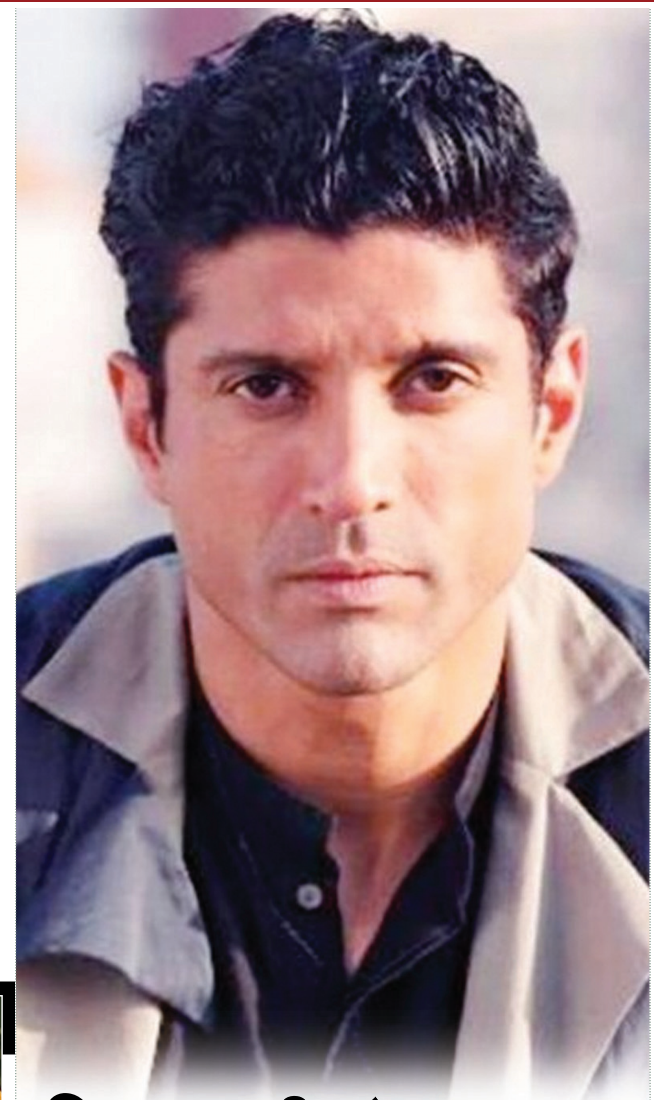

फिल्म जी ले जरा पर फरहान ने दी अपडेट

प्रियंका-कैटरीना को कास्ट करने पर कहा

फरहान अख्तर ने साल 2021 में फिल्म जी ले जरा का एलान किया था। इस फिल्म में आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ अहम किरदार निभाने वाली थीं। पिछले कुछ वर्षों में, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तारीखों के टकराव के कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हुई है। कई लोगों ने अनुमान लगाया कि क्या यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से बंद हो गया है, क्योंकि पिछले चार वर्षों में इस पर कोई अपडेट नहीं आया है। अब, फरहान अख्तर ने बताया है कि जी ले जरा को बंद नहीं किया गया है।

फरहान ने फिल्म के बारे में दिया अपडेट

बातचीत में फरहान अख्तर से पूछा गया कि क्या आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ अभिनीत फिल्म जी ले जरा को रोक दिया गया है। इस पर उन्होंने जवाब दिया मुझे यह कहना बिल्कुल पसंद नहीं आएगा कि इसे रोक दिया गया है। मैं बस इतना कहूंगा कि इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। यह एक ऐसी फिल्म है जो बनेगी। मुझे नहीं पता कि यह कब बनेगी। लेकिन इसकी स्क्रिप्ट बहुत ही शानदार है।

कलाकारों के बारे में नहीं है जानकारी

फरहान अख्तर ने कहा कि उन्हें कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है और वह इस पर और कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। हालांकि फिल्म जरूर बनेगी। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म पर लोकेशन की तलाश और म्यूजिक सहित काफी काम पहले ही हो चुका है।

तरीखों को लेकर फंसा था पेंच

2023 में वैरायटी के साथ बातचीत में फरहान अख्तर ने बताया हमारे पास बस तारीखों को लेकर समस्या है। मुझे नहीं पता क्या हो सकता है और क्या नहीं। इसलिए मुझे अब सचमुच विश्वास होने लगा है कि इस फिल्म की अपनी नियति है।

रोड-ट्रिप फिल्म हो सकती है जी ले जरा

जी ले जरा को ऋतिक रोशन और अभय देओल अभिनीत हिट फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की तरह एक रोड-ट्रिप फिल्म बताया जा रहा है। पहले ऐसी अफवाहें थीं कि कैटरीना और प्रियंका अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

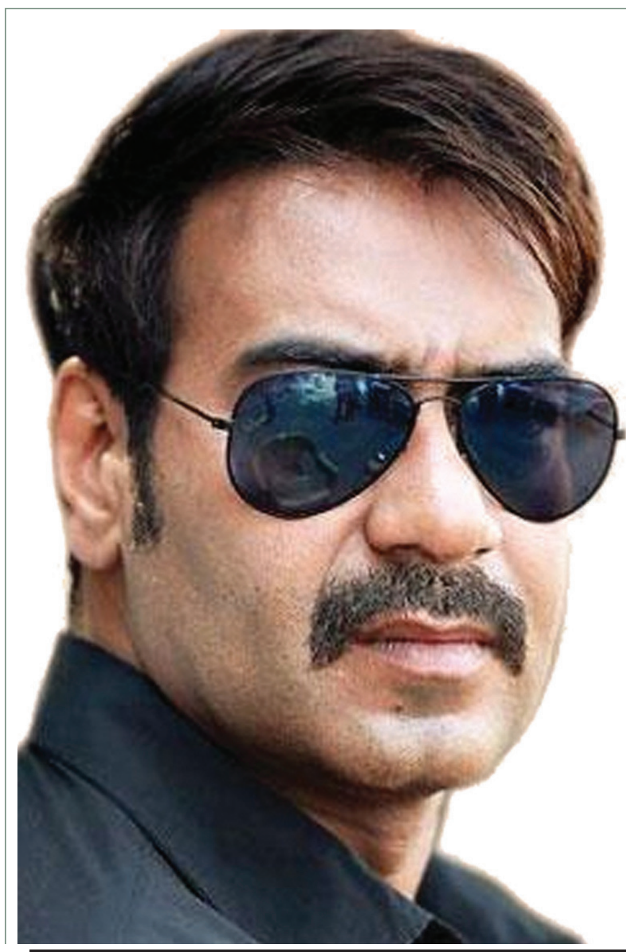

पहली बार कन्नड़ डायरेक्टर के साथ काम कर सकते हैं अजय

बालीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन। को हिंदी में रीमेक करते हैं, अब साउथ के फिल्म निर्माताओं के साथ सीधे काम करने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक... अजय से तीन बड़े साउथ फिल्म बैनरों ने संपर्क किया है और फिलहाल उनकी बातचीत कन्नड़ निर्देशक जेपी थुमिनद के साथ एक हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म को लेकर चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार... अजय की KVN प्रोडक्शंस के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। KVN प्रोडक्शंस वही बैनर है जो निर्देशक प्रियदर्शन की हैवान और यश की टॉक्सिक :अ फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स बना रहा है।

मैत्री मूवी ने फिल्म के लिए किया अजय से संपर्क

कहा जा रहा है कि अजय को फिल्म पुष्पा फ्रैंचाइज बनाने वाली मैत्री मूवी मेकर्स और कई हिट फिल्में देने वाली सन पिक्चर्स ने भी संपर्क किया है। हालांकि इन बैनरों के साथ अभी शुरुआती दौर की बातचीत चल रही है। सूत्रों ने बताया... मैत्री और सन पिक्चर्स के साथ अजय की बातचीत शुरुआती चरण में है, लेकिन ्यक्ष्ह्र प्रोडक्शंस के साथ उनकी बात ठोस बन गई है। उन्होंने एक हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसे जे. पी. थुमिनाद निर्देशित करेंगे। थुमिनाद ने हाल ही में कन्नड़ हिट फिल्म सू फ्रॉम सो का निर्देशन किया था।

सूत्रों के मुताबिक... अगर यह डील पक्की हो जाती है, तो यह अजय के करियर की पहली हॉरर कॉमेडी होगी। इससे पहले उन्होंने हॉरर फिल्में जैसे भूत (2003), काल (2004) और हाल ही में रिलीज हुई शैतान (2024) में काम किया है। उनकी फिल्म गोलमाल अगेन (2017) में अलौकिक कॉमेडी थी, लेकिन उसमें हॉरर के तत्व कम थे। सूत्र ने आगे बताया... अजय ने हाल ही में सू फ्रॉम सो देखी और उन्हें वह इतनी पसंद आई कि उन्होंने निर्देशक जे. पी. थुमिनाद को मुंबई बुलाया। दोनों इस महीने की शुरुआत में मिले और कहानी पर चर्चा की। अजय को कहानी पसंद आई है, लेकिन वह स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही अपनी सहमति देंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दृश्यम 3 की शूटिंग अक्टूबर में शुरू करने के बाद, अजय थुमिनद की फिल्म पर काम शुरू कर सकते हैं। वर्तमान में, अजय फिल्म धमाल 4 की शूटिंग पूरी कर रहे हैं, । इस फिल्म में अजय के साथ कई स्टार भी दिखाई देंगे। ईशा गुप्ता भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इसके अलावा अजय इन दिनों अपनी फिल्म रेंजर को लेकर भी चर्चा में हैं। इसकी शूटिंग भी उन्होंने शुरू कर दी है।

नेटफ्लिक्स पर आएगी सन ऑफ सरदार 2

अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को थिएटर्स में रिलीज किया गया था। माना जा रहा था कि अजय की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी। लेकिन सन ऑफ सरदार का सीक्वल ऑडियंस का दिल जीतने में सफल नहीं नहीं रहा। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। अब इसकी ओटीटी रिलीज की चर्चा तेज होने लगीं। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 के डिजिटल राइट्स की डील नेटफ्लिक्स के साथ पहले ही हो गई थी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान होना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं सितंबर के आखिरी या फिर अक्टूबर के पहले वीक में फिल्म पर अपडेट आ जाएगा।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है.

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–

ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने– 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

– गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।

– गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।

– श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।